▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 85 ▪ पृष्ठ - 8+4 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 18-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुभ धनतेरस

5 कांग्रेस-सपा 'फूट डालो, शासन करो' की नीति अपना रही : योगी आदित्यनाथ

7 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' में दूल्हे के रोल में दिखेंगे संजय मिश्रा

फर्स्ट टेक

नाइजीरिया में सुरक्षा दल पर बंदूकधारियों का हमला, आठ लोगों की मौत

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी जम्फारा राज्य में बंदूकधारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर घात लगाकर हमला किया जिससे कम से कम आठ जवानों की मौत हो गई। यह जानकारी राज्य के गवर्नर ने दी। गवर्नर दाउदा लावाल ने फेसबुक पर जारी एक बयान में कहा कि यह हमला बृहस्पतिवार को जम्फारा राज्य के त्सफे क्षेत्र में हुआ, जिसमें पांच पुलिस अधिकारी और एक अर्धसैनिक समूह के तीन सदस्य मारे गए। किसी भी समूह ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में इस तरह के हमले आम हैं, जहां स्थानीय चरवाहे और किसान अक्सर जमीन और पानी तक सीमित पहुंच को लेकर भिड़ जाते हैं। किसान चरवाहों पर खेतों में अपने मवेशियों को चराने और उनकी फसलों को नष्ट करने का आरोप लगाते हैं।

रूसी अदालत ने पकड़े गए यूक्रेनी सैनिकों को आतंकवाद का दोषी ठहराया

कीव/एपी। रूस के दक्षिणी हिस्से में स्थित एक अदालत ने आतंकवाद के आरोप में पकड़े गए 15 यूक्रेनी सैनिकों को एक मुकदमे की सुनवाई के बाद शुक्रवार को दोषी ठहराया। लेकिन यूक्रेन ने इस मुकदमे की निंदा करते हुए इसे महज एक दिखावा और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। 'रोस्तोव-ऑन-डॉन' की सैन्य अदालत ने ऐदर बटालियन के 15 लोगों को, जिसे रूस ने एक आतंकवादी समूह घोषित किया है, 15 से 21 साल तक की जेल की सजा सुनाई। यह फैसला मार्च के बाद से यूक्रेनी युद्धबंदियों के खिलाफ दूसरा सामूहिक मुकदमा है, जब विशेष अजोव ब्रिगेड के 23 सदस्यों को इसी तरह के आरोपों में दोषी ठहराया गया था। इस मुकदमे की भी यूक्रेन ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताकर निंदा की थी। जब 2023 में ऐदर सदस्यों के खिलाफ मुकदमा शुरू हुआ, तो यूक्रेन के मानवाधिकार से संबंधित राजनयिक दिमित्रो लुबिनेट्स ने इसे 'शर्मनाक' करार दिया और आरोप लगाया कि 'रूस अपनी मातृभूमि की रक्षा करने वालों को अपराधी बना रहा है।'

18-10-2025 सूर्यास्त 5:59 बजे | 19-10-2025 सूर्योदय 6:10 बजे

BSE	NSE
83,952.19 (+484.53)	25,709.85 (+124.55)

सोना	चांदी
12,783 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	167,199 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

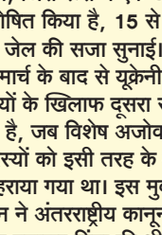

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हे धनदेव...!

खाली खाते मुँह ताक रहे,
आया ना अब तक घोषित धन।
मंहगाई लील गई सेविंग,
झुनझुना बजाए अब जन-जन।
हो काम दाम की अब बातें,
सुन मन की बातें ऊबा मन।
हे धन्वंतरि कुछ करें आप,
हो जाए हर घर में खन-खन।।

भारत आतंकी हमलों के बाद अब चुप नहीं रहता, मुंहतोड़ जवाब देता है : मोदी

पूर्व की सरकारें मजबूरी में सुधार करती थीं, अब हम उन्हें दृढ़ विश्वास के साथ करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जहां पूर्व की सरकारें मजबूरी में सुधार करती थीं, वहीं उनकी सरकार इसे पूरी दृढ़ता के साथ करती है और हर जोखिम को सुधार में बदल दिया है।

मोदी ने यहां 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' को संबोधित करते हुए कि भारत अब आतंकवादी हमलों के बाद चुप नहीं रहता, बल्कि सर्जिकल और हवाई हमलों के जरिये जवाब देता है। उन्होंने कहा, ''पूर्व की सरकारें मजबूरी में सुधार करती थीं, अब हम उन्हें दृढ़ विश्वास के साथ करते हैं। अनजान दौर दुनिया के लिए अनिश्चित हो सकता है, लेकिन भारत के लिए यह अवसर है क्योंकि वह (भारत) हमेशा जोखिमों को सुधारों में बदलता रहा है। मोदी ने कहा, ''...लेकिन हमने हर सुधार को दृढ़ता में और हर दृढ़ता को क्रांति में बदल दिया है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत अब आतंकवादी हमलों के बाद चुप नहीं रहता बल्कि हवाई हमलों, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए मुंहतोड़ जवाब देता है।'' उन्होंने कहा, ''जब युद्ध विश्व स्तर पर सुर्खियां बन गए, तब भारत ने सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ते हुए आलोचकों को गलत साबित कर दिया।'' उन्होंने कहा कि भारत रुकने के मूड में नहीं है। उन्होंने कहा, '' आज जब दुनिया में भांति-भांति के 'रोड ब्लॉक' हैं, 'स्पीड ब्रेकर' हैं, तब 'अनस्टॉपेबल' भारत की चर्चा बहुत स्वाभाविक है।'' उन्होंने कहा, ''हम न रुकेंगे और न ही थमेंगे। एक सौ चालीस करोड़ भारतीय पूरी गति के साथ एक साथ आगे बढ़ेंगे।''

मोदी ने कहा, ''आज भारत कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं (फ्रेजाइल फाइव) से निकलकर दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है...चिप से लेकर शिप तक, भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरा हुआ है।''

गृह मंत्रालय ने लेह हिंसा की न्यायिक जांच का आदेश दिया

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने लेह में पिछले महीने हुई हिंसा की घटना की न्यायिक जांच के आदेश जारी करते हुए कहा है कि उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश बी एस चौहान की अध्यक्षता वाली समिति यह जांच करेगी। मंत्रालय ने शुक्रवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि इस समिति के अन्य सदस्यों में सेवानिवृत जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहन सिंह परिहार न्यायिक सचिव और आईएएस अधिकारी तुषार आनंद प्रशासनिक सचिव के रूप में सहयोग करेंगे। यह समिति उन परिस्थितियों की जांच करेगी जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी और चार लोगों की जान गयी। उल्लेखनीय है कि 24 सितम्बर को लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने और पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था।

दीपावली पर वंचित परिवारों का करे सहयोग : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रोशनी के पर्व दीपावली की लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि इस मौके वंचित परिवारों का सहयोग करना चाहिए।

बिरला शुक्रवार को अपने सांगोद क्षेत्र के प्रवास के दौरान सांगोद नगर, देवली मांझी, सीमलिया और गढ़ेपान में क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। दीपावली की रामा-श्यामी करने पहुंचे बिरला ने कस्बों के प्रमुख बाजारों में व्यापारियों के साथ बाजार में खरीद करने आए आमजन को भी दीपावली की शुभकामनाएं दी साथ ही वरिष्ठजन का आशीर्वाद भी लिया। जगह-जगह पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के बीच स्पीकर बिरला का स्वागत किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में कहा कि दीपावली का पर्व खुशियां बांटने का भी अवसर है। हम अपने आस-पास ऐसे परिवारों को भी याद करें, जिन्हें हमारे सहयोग और स्नेह की आवश्यकता है। प्रयास करें कि इस दीपावली हमारे घरों के साथ-साथ उनके जीवन में भी उजियारा और मुस्कान पहुंच सके। इसके पूर्व मार्ग में कैथून, गलाना, खेड़ा रामपुर और कुराड़ एवं आजादपुरा में भी दीपावली की रामा-श्यामी की तथा समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर राज्य के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे।

बिरला पूर्व मंत्री भरत सिंह के पैतृक गांव कुंदनपुर पहुंचे जहां उन्होंने उनके परिजनों से भेंट कर संवेदनाएं व्यक्त की।

घरेलू रक्षा उत्पादन को 100 प्रतिशत तक ले जाना है हमारा लक्ष्य : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक (महाराष्ट्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत घरेलू रक्षा उत्पादन को 100 प्रतिशत तक ले जाने की दिशा में काम कर रहा है क्योंकि विदेशी सैन्य आपूर्ति पर निर्भरता ''सामरिक कमजोरी'' पैदा करती है। सिंह ने तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए)-एमके1ए की तीसरी उत्पादन पंक्ति और प्रशिक्षण विमान एचटीटी-40 की दूसरी विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही।

तेजस विमानों के लिए नई सुविधा के खुलने से 'हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड' (एचएएल) द्वारा कम से कम 24 एलसीए विमानों का उत्पादन किए जाने की उम्मीद है।

सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ''एक समय था जब देश अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन आज स्थिति बदल गई है। अब भारत 65 प्रतिशत विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम अपने घरेलू विनिर्माण को बहुत जल्द 100 प्रतिशत तक भी ले जाएंगे।'' सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 25,000 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है जो कुछ साल पहले 1,000 करोड़ रुपए से भी कम था।

चीन ने शीर्ष सैन्य जनरल के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच की, नौ वरिष्ठ अधिकारियों को दंडित किया

बीजिंग/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने सेना के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का सार्वजनिक रूप से खुलासा करते हुए शुक्रवार को कहा कि चीन के दूसरे शीर्ष सैन्य जनरल के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है, जबकि नौ वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को अनुशासन के उल्लंघन और कर्तव्य-संबंधी लापरवाही बरतने के अपराधों के लिए दंडित किया गया है। सेना के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल झांग शियाओगांग ने यहां मीडिया को बताया कि केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के उपाध्यक्ष और 24-सदस्यीय पोलित ब्यूरो के सदस्य हे वेइदोंग को सत्तारूढ़ 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना' (सीपीसी) और सेना से निष्कासित कर दिया गया है। हांगकांग स्थित 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार, जनरल हे वेइदोंग वर्तमान पोलित ब्यूरो (कम्युनिस्ट पार्टी की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था) के पहले सेवारत सदस्य हैं, जिन्हें इस तरह की जांच का सामना करना पड़ा है।

210 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

जगदलपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस और अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों की मौजूदगी में माओवादियों के केंद्रीय समिति के एक सदस्य सहित 210 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस घटनाक्रम की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज का दिन न केवल बस्तर के लिए, बल्कि छत्तीसगढ़ और पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। अधिकारियों ने कहा कि यह सामूहिक आत्मसमर्पण नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में सबसे बड़ा है तथा यह वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान में एक निर्णायक मोड़ है। सभी आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों का आदिवासी समुदाय के नेताओं और पुजारियों ने मुख्यधारा में लौटने पर औपचारिक रूप से स्वागत किया और उन्हें प्रेम, शांति और एक नई शुरुआत के प्रतीक लाल गुलाब भेंट किए। बाद में, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों, पुलिस और अर्धसैनिक बल के वरिष्ठ अधिकारियों और आदिवासी समुदाय के नेताओं ने तस्वीरें खिंचवाईं।

झूठी शान की खातिर हत्या के मामलों रोकने के लिए कानून लाऐंगे : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार झूठी शान की 'खातिर हत्या' के मामलों को रोकने के लिए उपयुक्त कानून बनाने को लेकर जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने इस मामले पर विभिन्न कदमों की सिफारिश करने के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश के एम बाशा के नेतृत्व में एक आयोग बनाने की भी घोषणा की। ऐसी हत्याओं पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि सरकार मूकदर्शक नहीं बनी रहेगी।

स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु झूठी शान की खातिर हत्या के मामलों को रोकने के लिए एक खास कानून लाएगा।

छह अक्टूबर को सदन के सदस्यों द्वारा बताए गए विचारों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इस सदन को जवाब देना चाहूंगा। हम सभी की इच्छा है कि झूठी शान की खातिर हत्या के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए और सामाजिक बदलाव लाया जाए एवं इस तरह के अन्याय को रोका जाए। उन्होंने कहा, कानून अपना काम कर रहा है। साथ ही, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इस क्रूर सोच के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब पिछले कुछ समय में राज्य में झूठी शान की खातिर हत्या के कई मामले आए हैं। इस महीने डिंडीगुल जिले के नीलाकोट्टई के पास एक युवक की उसके ससुर ने हत्या कर दी। जुलाई में तिरुनेलवेली में एक दलित इंजीनियर की उसकी प्रेमिका के भाई ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी।

धन की कमी के कारण आधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को अपनाने में देरी हुई : नंबी नारायणन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व वैज्ञानिक नंबी नारायणन ने शुक्रवार को कहा कि पर्याप्त धन की कमी के कारण अंतरिक्ष क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने में देरी हुई है। चेन्नई के निकट राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज में राष्ट्रीय नवाचार दिवस समारोह में नारायणन ने कहा कि जब भी नई प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता होती है, तो वे तुरंत उपलब्ध नहीं कराए जाते क्योंकि अन्य तात्कालिक प्राथमिकताएं होती हैं जिन पर ध्यान देने और संसाधनों की आवश्यकता होती है। द्रव और ठोस प्रणोदन प्रणालियों में प्रगति के बारे में श्रोताओं के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, हर चीज जरूरत और आवश्यकताओं से शुरू होती है। हम द्रव प्रणोदन को तीन वर्षों में पूरा कर सकते थे और उसमें महारत हासिल कर सकते थे, लेकिन धन की कमी के कारण हमें लगभग दो दशक लग गए।

एक प्रेस विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया, ''जब भी नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता होती है, तो वे तुरंत उपलब्ध नहीं होते, क्योंकि और भी गंभीर समस्याएं होती हैं जिन पर ध्यान देने के अलावा धन की आवश्यकता होती है।''

रॉकेट प्रौद्योगिकी में अपने सफर का जिक्र करते हुए नारायणन ने कहा कि आज कई युवा इंजीनियर इस क्षेत्र में काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ''अगर भविष्य के अभियंताओं को देश को शक्तिशाली बनाना है, तो उन्हें सार्थक योगदान देना होगा-चाहे वह द्रव प्रणोदन हो या क्रायोजेनिक्स, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सर्वश्रेष्ठ दिमागों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी।'' उन्होंने कहा कि अगर भारत के युवाओं को देश को 'गौरवशाली' और 'सफल' बनाना है, तो उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का लक्ष्य रखना होगा।

अलंद 'वोट चोरी' जांच : एसआईटी की पूर्व भाजपा विधायक सुभाष गुत्तेदार से जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी

कलबुर्गी। कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में कथित 'वोट चोरी' की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को पूर्व भाजपा विधायक सुभाष गुत्तेदार और उनके बेटों से जुड़े ठिकानों पर छापे मारे। यह जानकारी पुलिस सूत्रों ने दी। यह जांच कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नई दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन से उपजी है, जिसमें उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले अलंद मतदाता सूची से 6,000 से अधिक नाम हटाने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास का आरोप लगाया था, जिनमें मुख्य रूप से कांग्रेस के गढ़ से और अल्पसंख्यक समुदायों के नाम शामिल थे। इस पर, कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बी. के. सिंह की अध्यक्षता में एक एसआईटी का गठन किया।

दीपावली उत्सव के लिए एसएमवीटी बेंगलूरु और संतरागाछी जंक्शन के बीच विशेष ट्रेन

बेंगलूरु। दीपावली उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) एसएमवीटी बेंगलूरु और संतरागाछी जंक्शन के बीच प्रत्येक दिशा में एक फेरे के लिए विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन संख्या 06233 एसएमवीटी बेंगलूरु–संतरागाछी जंक्शन एक्सप्रेस स्पेशल 17 अक्टूबर को 16:35 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से प्रस्थान करेगी और शनिवार को 23:55 बजे संतरागाछी जंक्शन पहुँचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06234 संतरागाछी जंक्शन–एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 19 अक्टूबर रविवार को 16:30 बजे संतरागाछी जंक्शन से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 02:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुँचेगी। दपरे के बेंगलूरु जनसम्पर्क अधिकारी प्राणेश केएन ने बताया कि रास्ते में, ट्रेन दोनों दिशाओं में कृष्णराजपुरम, बंगारपेट, काटपाडी जंक्शन, रेनिगुंटा जंक्शन, विजयवाड़ा जंक्शन, राजमुंदरी, विजयनगरम जंक्शन, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर, खुर्दा रोड जंक्शन, भुवनेश्वर, कटक, भद्रक, बालेश्वर और खड़गपुर जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी। विशेष ट्रेन में 22 कोच हैं, जिसमें 20 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 2 द्वितीय श्रेणी सामान–सह–ब्रेक वैन शामिल हैं।

कॉलेज छात्रा से बलात्कार के आरोप में छात्र गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक में एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र द्वारा कॉलेज परिसर के पुरुष शौचालय में एक छात्रा के साथ कथित तौर पर बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी (21) कॉलेज के पांचवें सेमेस्टर का छात्र है और पीड़िता को जानता था, जो सातवें सेमेस्टर में पढ़ रही है। छात्र को बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के अनुसार, घटना 10 अक्टूबर को हुई। पीड़िता ने बताया कि लंच ब्रेक के दौरान आरोपी ने उसे कई बार फोन कर सातवीं मंजिल पर आर्किटेक्चर ब्लॉक के पास मिलने के लिए बुलाया। पीड़ता की शिकायत के अनुसार, वह जब वहां पहुंची तो आरोपी ने कथित रूप से उसे चूमने की कोशिश की और जब उसने विरोध किया तो वह जबरन उसे चूमने लगा। शिकायत में आरोप है कि पीड़िता लिफ्ट से नीचे जाने लगी तो आरोपी उसका पीछा करते–करते छठी मंजिल तक आया और उसे पुरुष शौचालय में खींचकर अंदर बंद कर लिया और बलात्कार किया।

भारतीय दूरसंचार सेवाएं वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन में शामिलः सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय दूरसंचार सेवाएं विश्व स्तर पर शीर्ष तीन में शामिल हैं और इन्हें और बेहतर बनाने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि सेल स्तर पर सेवा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक अक्टूबर से और कड़े मानदंड लागू किए गए हैं। मंत्री ने कहा, ''यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय दूरसंचार सेवाएं शीर्ष तीन देशों में शामिल हैं और इन्हें बेहतर बनाने के हमारे प्रयास जारी हैं।'' दूरसंचार नियामक ट्राई ने उन मानदंडों को लागू किया है, जिनका इस्तेमाल सर्कल स्तर से लेकर सेल स्तर तक सेवाओं की गुणवत्ता मापने के लिए किया जाता था। मंत्री ने कहा कि दूरसंचार परिचालकों ने नए मानदंडों के आधार पर पहली रिपोर्ट दी है और उन मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा चल रही है, जहां सेवा की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं है।

शीर्ष अदालत ने प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा

नई दिल्ली/बेंगलूरु। कर्नाटक में स्नातक प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती से संबंधित एक महत्वपूर्ण फैसले में उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली अपीलों को खारिज कर दिया है, जिसने मामले को निर्णय के लिए कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण (केएसएटी) को भेज दिया था। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर सेवा संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए केएसएटी उचित मंच है। निर्णय लिखने वाले न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई ने कहा, हमारा मानना ङ्कहै कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश द्वारा पारित निर्णय को सही ढंग से रद्द कर दिया है और अपीलकर्ताओं (ए) के पहले समूह की अपीलों को आंशिक रूप से स्वीकार करने और मामले को निर्णय के लिए केएसएटी को सौंपने में कुछ भी गैरकानूनी नहीं है। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने ठीक कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष उनकी याचिकाएं विचार योग्य नहीं हैं। कर्नाटक लोक शिक्षा विभाग की भर्ती के लिए 21 मार्च, 2022 को अधिसूचना जारी की गई थी, जिसमें 35 शैक्षणिक जिलों में कक्षा छठी से आठवीं के लिए स्नातक प्राथमिक शिक्षकों के 15,000 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

गोयल ने जापान, कोरिया के साथ कांग्रेस शासन में हुए एफटीए की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जापान और दक्षिण कोरिया के साथ कांग्रेस के शासन काल में हुए व्यापार समझौतों की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि इन समझौतों से भारतीय निर्यात में कम वृद्धि हुई, जबकि आयात काफी बढ़ गया और अब व्यवसायों को इन देशों को निर्यात करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरसीईपी (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी) ब्लॉक के तहत व्यापार समझौता वार्ता में शामिल होने के पिछली कांग्रेस सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाया। आरसीईपी सदस्यों में 10 आसियान सदस्य (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम) और उनके छह मुक्त व्यापार समझौता साझेदार ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। गोयल ने कहा कि भारत ने स्वेच्छा से आरसीईपी में शामिल होने का फैसला किया था, जिसमें चीन भी शामिल था, और ''मैं अभी भी यह नहीं समझ पा रहा हूं कि हमने ऐसा क्यों चुना?'' उन्होंने आगे कहा कि यह केवल भारत और चीन के बीच एक समझौता था।

वाणिज्य मंत्री ने कहा, ''हमारा आसियान के साथ पहले से ही एक समझौता था, जो निष्पक्षता और समानता के मामले में अपने आप में संदिग्ध है। हमारा जापान और कोरिया के साथ पहले से ही एक समझौता है और जो लोग जापान या कोरिया के साथ व्यापार कर रहे हैं, वे जानते हैं कि जब हमें जापान या कोरिया को निर्यात करना होता है तो हमारे उत्पादों को किस तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) के बाद इन दोनों देशों को निर्यात में लगभग कोई वृद्धि नहीं हुई है। केवल आयात बढ़ा।''

दक्षिण कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता जनवरी 2010 में लागू हुआ था, जबकि जापान के साथ अगस्त 2011 में यह लागू हुआ।

भारत ने 2019 में विशाल मुक्त व्यापार समझौते आरसीईपी में शामिल न होने का फैसला किया, क्योंकि यह समझौता उसकी चिंताओं का समाधान नहीं कर रहा था।

महाराष्ट्र में 'डिजिटल अरेस्ट' मामले में सात लोग गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस ने 58 करोड़ रुपए की हेराफेरी से जुड़े देश के सबसे बड़े 'डिजिटल अरेस्ट' मामले की जांच के तहत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य में साइबर अपराध से निपटने के लिए नोडल एजेंसी महाराष्ट्र साइबर ने खुलासा किया है कि 'डिजिटल अरेस्ट' में लिप्त लोगों ने ठगी की रकम को वैध बनाने के लिए 6,500 से अधिक फर्जी खातों का इस्तेमाल किया, जो फर्जी कंपनियों के नाम पर खोले गए थे। हाल में, मुंबई के 72 वर्षीय एक व्यवसायी की शिकायत के बाद महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने एक मामला दर्ज किया। साइबर अपराध में 'डिजिटल अरेस्ट' के मामले बढ़ते जा रहे हैं, जिसमें ठगी करने वाले खुद को कानून लागू करने वाले अधिकारी या सरकारी एजेंसियों के कर्मचारी बताते हैं और ऑडियो/वीडियो कॉल के जरिए पीड़ितों को धमकाते हैं तथा रुपए बताये गए बैंक खातों में भेजने के लिए दबाव बनाते हैं। 70 वर्षीय व्यक्ति के मामले में, आरोपियों ने वीडियो कॉल के जरिए फर्जी अदालती कार्यवाही और पुलिस पूछताछ की साजिश रची, जिससे उन्हें 40 दिनों में 58.13 करोड़ रु. अंतरित करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

उच्चतम न्यायालय ने देश में 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई, केंद्र से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर फर्जी न्यायिक आदेशों के माध्यम से नागरिकों को 'डिजिटल अरेस्ट' करने के मामलों का संज्ञान लेते हुए इस संदर्भ में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा है और कहा है कि इस तरह के अपराध न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात हैं। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 1.05 करोड़ रुपए की उगाही की घटना को गंभीरता से लिया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह साधारण अपराध नहीं है जिसमें पुलिस से कह दिया जाए कि तेजी से जांच करे और मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाए। पीठ ने कहा कि बल्कि यह ऐसा मामला है जिसमें आपराधिक उपक्रम का पर्दाफाश करने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयास जरूरी हैं। न्यायालय ने शुक्रवार को देश भर में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और 73 वर्षीय महिला द्वारा 21 सितंबर को भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा। पत्र में सूचित किया था कि दंपति को अदालत के आदेशों का भय दिखाकर ठगा गया। पीठ ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों सहित निर्दोष लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के लिए उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय के आदेशों और न्यायाधीशों के हस्ताक्षरों की जालसाजी करना न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास और आस्था पर कुठाराघात है। 'डिजिटल अरेस्ट' ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें जालसाज खुद को फर्जी तरीके से किसी सरकारी एजेंसी या पुलिस का अधिकारी बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए उन्हें धमकाते हैं और गलत तरह से धन वसूली की कोशिश करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, ''न्यायाधीशों के जाली हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश तैयार करना, कानून के शासन के अलावा न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात करता है। इस तरह की कार्रवाई संस्था की गरिमा पर सीधा हमला है।'' दस्तावेजों की जालसाजी तथा इस न्यायालय या उच्च न्यायालय के नाम, मुहर और न्यायिक आदेशों का आपराधिक दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय है और इस तरह के गंभीर आपराधिक कृत्य को धोखाधड़ी या साइबर अपराध के सामान्य या एकल अपराध के रूप में नहीं लिया जा सकता।

इस दिवाली दिल्ली-एनसीआर में 40 प्रतिशत तक बढ़ सकता है पटाखों का इस्तेमाल : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हरित पटाखों की बिक्री और इनके इस्तेमाल की अनुमति दिए जाने से इस दिवाली आतिशबाजी करने वाले परिवारों की संख्या में पिछले साल की तुलना में 40 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। यह जानकारी 'लोकल सर्कल्स' के एक अध्ययन में दी गई। इससे इस बात की आशंका भी बढ़ी है कि इसकी आड़ में नियमित आतिशाबाजी भी फिर से शुरू हो सकती है।

दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के 38,000 से अधिक निवासियों पर किए गए इस अध्ययन में कहा गया कि सर्वेक्षण में शामिल दिल्ली–एनसीआर के 34 प्रतिशत परिवार इस दिवाली आतिशबाजी करेंगे; जिनमें से आधे परिवार हरित पटाखों के अलावा सामान्य पटाखों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अध्ययन में बताया गया कि सर्वेक्षण में शामिल कुल लोगों में से 17 प्रतिशत ने कहा कि वे केवल हरित पटाखों का इस्तेमाल करेंगे, जबकि अन्य 17 प्रतिशत ने कहा कि वे हरित और सामान्य दोनों प्रकार के पटाखे उपयोग में लाएंगे। इससे संकेत मिलता है कि प्रतिबंधों के बावजूद गैर हरित पटाखों की अवैध बिक्री और उपयोग जारी रह सकता है। अध्ययन में कहा गया कि यह वृद्धि उच्चतम न्यायालय के 15 अक्टूबर के आदेश के बाद हो सकती है, जिसमें 18 से 20 अक्टूबर के बीच दिल्ली–एनसीआर में केवल वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर)–राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) प्रमाणित क्यूआर कोड वाले हरित पटाखों की बिक्री और इनके इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। ये पटाखे सुबह छह बजे से सात बजे तक और रात आठ बजे से 10 बजे तक जलाए जा सकते हैं।

अध्ययन में बताया गया है कि पिछले साल पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद, दिल्ली–एनसीआर के निवासियों ने पटाखे फोड़े, जिसके कारण दिवाली के बाद प्रदूषण के स्तर में काफी वृद्धि देखी गई। इसने चेतावनी दी है कि इस साल दी गई छूट के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों से गैर–हरित पटाखे इस क्षेत्र में आ सकते हैं। अध्ययन में कहा गया, ''उच्चतम न्यायालय द्वारा दी गई छूट और हरित पटाखों की अनुमति से राजधानी में सामान्य पटाखे लाना और भी आसान हो जाएगा।''

एसबीआई ने बॉन्ड जारी कर 7,500 करोड़ रु. जुटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बॉन्ड जारी करके वित्त वर्ष 2025–26 के लिए 7,500 करोड़ रुपए जुटाए हैं। बैंक ने बेसल–3 अनुरूप टियर–2 बॉन्ड (निश्चित अवधि के लिए जुटाई जाने वाली राशि) जारी कर 6.93 प्रतिशत की कूपन दर पर यह राशि जुटाई है।

एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि बॉन्ड 10 वर्ष की अवधि के लिए हैं जिसमें पांच वर्ष के बाद इसे रखने का बेचने का विकल्प दिया जाएगा। उसके बाद हर एक साल पर उसी तारीख पर यह विकल्प उपलब्ध कराया जाएगा। बैंक ने कहा, '' देश का सबसे बड़ा ऋणदाता एसबीआई चालू वित्त वर्ष के लिए बेसल–3 अनुपालक टियर–2 बॉन्ड जारी करने के माध्यम से 6.93 प्रतिशत की कूपन दर पर 7,500 करोड़ रुपए जुटाने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है।'' इस निर्गम को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली तथा इसके लिए 5,000 करोड़ रुपए के आधार निर्गम आकार से लगभग तीन गुना अधिक बोलियां प्राप्त हुईं।

एसबीआई के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने कहा कि व्यापक भागीदारी और बोलियों की विविधता से यह पता चलता है कि निवेशकों का देश के सबसे बड़े बैंक में कितना विश्वास है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिक्रिया के आधार पर बैंक ने 6.93 प्रतिशत की कूपन दर पर 7,500 करोड़ रुपए स्वीकार करने का निर्णय लिया है। इस वर्ष की शुरुआत में, एसबीआई ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से 25,000 करोड़ रुपए की इक्विटी जुटाई थी।

ईडी ने 'ऑक्टाएफएक्स' घोटाले में करोड़ों रुपए की क्रिप्टो संपत्तियां जब्त कीं, षडयंत्रकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। धनशोधन निरोधक कानून के तहत 2,385 करोड़ रुपए मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की गई है और करोड़ों रुपए के कथित ऑक्टाएफएक्स पोंजी घोटाले के स्पेनिश ''षडयंत्रकर्ता'' को उस देश में गिरफ्तार किया गया है। ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 'क्रिप्टोकरेंसी' एक प्रकार की डिजिटल मुद्रा है और इसका इस्तेमाल ऑनलाइन लेन–देन करने के लिए किया जाता है।

यह मामला ''धोखाधड़ी'' से संबंधित है, जिसमें कई निवेशकों को 'ऑक्टाएफएक्स फॉरेक्स ट्रेडिंग' प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक लाभ मिलने का झूठा वादा कर कथित तौर पर धोखा दिया गया है। ''अनधिकृत'' विदेशी मुद्रा व्यापार मंच 'ऑक्टाएफएक्स' के खिलाफ जारी जांच के संबंध में 2,385 करोड़ रुपए मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी को कुर्क करने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक आदेश जारी किया गया है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धोखाधड़ी के कथित साजिशकर्ता पावेल प्रोजोरोव को स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने साइबर अपराधों में उसकी संलिप्तता के आधार पर स्पेन से गिरफ्तार किया है। ईडी के अनुसार 'ऑक्टाएफएक्स' ने जुलाई 2022 से अप्रैल 2023 के बीच भारतीय निवेशकों को ''व्यवस्थित रूप से'' 1,875 करोड़ रुपए का चूना लगाया, जिससे बहु–देशीय अभियान के माध्यम से लगभग 800 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। इसने कहा कि कंपनी ने 2019–2024 तक काम किया और भारत से कुल लाभ 5,000 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें से ज्यादातर को ''अवैध रूप से'' विदेशों में स्थानांतरित किया गया है।

गुजरात कैबिनेट में बड़ा फेरबदलः 19 नये चेहरों को शामिल किया गया, हर्ष संघवी बने उपमुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को एक बड़े फेरबदल में अपनी मंत्रिपरिषद में 19 नये चेहरों को शामिल किया और अपनी पिछली टीम से छह को बरकरार रखा। हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली। इस फेरबदल के साथ, मंत्रिपरिषद की कुल संख्या अब मुख्यमंत्री समेत 26 हो गई है, जो पहले 17 थी। कुल 182 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा में सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत या 27 मंत्री हो सकते हैं। मंत्रिपरिषद का पुनर्गठन 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से दो साल पहले और स्थानीय निकाय चुनावों से कुछ महीने पहले हुआ।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नये मंत्रियों के साथ–साथ उन नेताओं को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे। पटेल के मुख्यमंत्री के रूप में पिछले चार वर्षों के कार्यकाल में यह पहली बार है कि राज्य में उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। आखिरी बार पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली सरकार में नितिन पटेल उपमुख्यमंत्री थे। संघवी समेत छह विधायकों को मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। सभी 16 मंत्रियों ने हालांकि बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए थे। इन छह में से तीन – कनुभाई पटेल, ऋषिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया – पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि संघवी, प्रफुल्ल पानसेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल संघवी और पानसेरिया ने शुक्रवार को दोबारा शपथ ली। संघवी को उपमुख्यमंत्री और पानसेरिया को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए 19 विधायकों में जीतू वाघाणी, अर्जुन मोढवाडिया और मनीषा वकील शामिल हैं।

धनतेरस से पहले सोना 3,200 रुपए उछलकर रिकॉर्ड 1,34,800 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी फिसली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। धनतेरस से पहले आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की मजबूत त्योहारी खरीदारी के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 3,200 रुपए बढ़कर 1,34,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

हालांकि, चांदी की कीमत में 7,000 रुपए की गिरावट आई। पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,31,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 3,200 रुपए उछलकर 1,34,200 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह बृहस्पतिवार को 1,31,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान अधिक बिक्री की उम्मीद में स्टॉकिस्टों ने खरीदारी की। धनतेरस शनिवार को मनाया जाएगा, उसके बाद सोमवार को दिवाली मनाई जाएगी। धनतेरस के दिन कीमती धातुएं खरीदने को शुभ माना जाता है।

मौसमी मांग के अलावा, निवेशकों और केंद्रीय बैंकों की सुरक्षित निवेश खरीदारी ने कीमतों को और समर्थन दिया है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी शोध विशलेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतीन त्रिवेदी ने कहा, ''सोने ने मजबूत लाभ के साथ अपनी तेजी का सिलसिला जारी रखा। अमेरिकी सरकार के वित्तपोषण की दिक्कतों के कारण कई विभागों का कामकाज ठप होने (शटडाउन) और 99 से नीचे डॉलर सूचकांक ने सर्राफा में सुरक्षित निवेश प्रवाह का समर्थन जारी रखा।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निरंतर अनिश्चितता और आंकड़े जारी होने में देरी के कारण निवेशकों का झुकाव एक सुरक्षित संपत्ति के रूप में सोने की ओर है। जब तक जोखिम की भावना कमजोर रहेगी, तब तक तेजी बरकरार रहने के कारण सोना ऊंचा रहने की संभावना है।'' हालांकि, चांदी में गिरावट आई। चांदी की कीमत 7,000 रुपए टूटकर 1,77,000 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। यह बृहस्पतिवार को 1,84,000 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

विदेशीमुद्रा भंडार घटकर 698 अरब डॉलर पर, सोने का मूल्य 100 अरब डॉलर के पार

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.60 अरब डॉलर घटकर 572.10 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर–अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। केन्द्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 3.59 अरब डॉलर बढ़कर 102.36 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13 करोड़ डॉलर घटकर 18.684 अरब डॉलर रहा।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 3.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.63 अरब डॉलर रहा।

कर्नाटक सर्वेक्षण को लेकर मूर्ति दंपति में गलतफहमी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि इंफोसिस संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति और लेखिका सुधा मूर्ति को राज्य में जारी सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण के बारे में कुछ गलतफहमी है। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ऐसी धारणा है कि यह पिछड़ी जातियों के लिए एक सर्वेक्षण है। यह पिछड़ी जातियों का सर्वेक्षण नहीं है। उन्हें जो लिखना है लिखने दीजिए। लोगों को समझना चाहिए कि यह सर्वेक्षण किस बारे में है। अगर वे समझ नहीं पा रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं?'' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की यह टिप्पणी मूर्ति दंपत्ति द्वारा सर्वेक्षण में भाग लेने से इनकार करने के बाद आयी है, जिन्होंने फॉर्म में लिखा था कि वे पिछड़े समुदायों से नहीं आते।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''क्या इंफोसिस (संस्थापक) का मतलब 'बृहस्पति' (बुद्धिमान) होना चाहिए? हम 20 बार कह चुके हैं कि यह पिछड़े वर्गों का सर्वेक्षण नहीं, बल्कि सभी के लिए सर्वेक्षण है।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जैसे शक्ति, जिसके तहत सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा मिलती है और गृह लक्ष्मी, जिसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों की महिला प्रमुखों को 2,000 रुपये प्रति माह दिया जाता है।

उन्होंने सवाल किया, ''क्या उच्च जाति की महिलाएं और गरीबी रेखा से ऊपर के लोग शक्ति योजना का लाभ नहीं उठा रहे हैं? क्या गृह लक्ष्मी के लाभार्थियों में उच्च जाति के लोग नहीं हैं?'' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि मंत्रियों द्वारा बार-बार स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद, इस योजना को लेकर अब भी भ्रांतियां हैं। उन्होंने कहा, ''अब केंद्र भी जाति जनगणना कराने जा रहा है। तब वे (मूर्ति) क्या जवाब देंगे? मुझे लगता है कि उनके पास गलत जानकारी है।''

उन्होंने कहा, ''मैं यह बिल्कुल स्पष्ट कर रहा हूं - यह पिछड़े वर्गों का सर्वेक्षण नहीं है, बल्कि कर्नाटक के सात करोड़ लोगों का सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण है।'' राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर, जिसे 'नवंबर क्रांति' कहा जा रहा है, सिद्दरामय्या ने कहा, ''यह क्रांति नहीं है। क्रांति क्या है? क्रांति तो क्रांति है। बदलाव क्रांति नहीं है।''

उन्होंने कहा कि यह मुद्दा बार-बार बिना किसी कारण के सामने आता रहता है और इसे नजरअंदाज कर देना चाहिए। मंत्रिमंडल के हालिया फैसले, जिसमें सरकारी जमीन और सरकारी विद्यालयों व कॉलेज में गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है, पर स्पष्टीकरण देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, यह सिर्फ आरएसएस का मामला नहीं है। बिना सरकारी अनुमति के कोई भी संगठन गतिविधियां संचालित करने की इजाजत नहीं है। यह नियम दरअसल मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार के नेतृत्व में भाजपा द्वारा लाया गया था। मंत्रिमंडल के इस फैसले को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों के खिलाफ एक कदम बताया जा रहा है। आगामी बिहार चुनाव के बारे में, सिद्दरामय्या ने विश्वास जताया कि इंडिया' गठबंधन अच्छा प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कहा, लोग बदलाव चाहते हैं। राहुल गांधी के मार्च को जबरदस्त समर्थन मिला। हमारे जीतने की संभावना अधिक है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उन्हें आमंत्रित किया गया तो वे प्रचार अभियान में शामिल होंगे।

सरकार 'फर्जी' प्रमाणपत्र के झांसे में आई; भाजपा ने खिल्ली उड़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सिद्दरामय्या-नीत कर्नाटक सरकार एक तथाकथित 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' द्वारा जारी एक फर्जी प्रमाणपत्र के झांसे में आ गई, जिसमें उसकी (सरकार की) 'शक्ति गारंटी योजना' की सराहना की गई है। इस पर विपक्ष, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस), ने उसकी खिल्ली उड़ाई। भाजपा द्वारा इस खुलासे के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) अब इस मामले की जांच कर रहा है। तीन दिन पहले मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा था कि राज्य की सभी महिलाओं को नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली उनकी सरकार की 'शक्ति' योजना को 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' की ओर से प्रमाणपत्र दिया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं द्वारा सबसे अधिक बार मुफ्त बस यात्रा करने के लिए यह प्रमाणपत्र दिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह खबर 'एक्स' पर साझा की थी।

विधान परिषद में भाजपा के सदस्य एवं पूर्व मंत्री सीटी रवि ने दावा किया कि अब पता चला है कि प्रमाणपत्र के लिए एक शुल्क देना पड़ता है। जद (एस) ने दावा किया कि 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स लिमिटेड' को 15 जुलाई 2025 को भंग कर दिया गया है। रवि ने 'एक्स' पर कहा, केवल प्रमाणपत्र ही फर्जी नहीं है, बल्कि इसके लिए रेट कार्ड भी है, यानी इसे खरीदा जा सकता है! आप और कितना गिरेंगे? जनता को बेवकूफ बनाने के लिए ऐसे सस्ते हथकंडे क्यों?''

सी.टी. रवि द्वारा साझा किए गए कुछ स्क्रीनशॉट्स से पता चलता है कि रुपये देकर अवॉर्ड हासिल किया जा सकता है, क्योंकि वहां पर बाकायदा 'अवार्ड प्लान' उपलब्ध हैं। उदाहरण के तौर पर, 4,000 रुपये का 'क्लासिक प्लान' प्रमाणपत्र, पदक और ट्रॉफी के साथ आता है, जिसे कुरियर के जरिये भेजा जाता है। वहीं, 'प्लेटिनम पैकेज' की कीमत 10,000 रुपये रखी गई है। इस प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने वाले अविनाश डी. सकुंदे को लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' का अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन, जबकि डॉ. इवान गासीना को इसका यूरोपीय संघ प्रमुख बताया गया है। गासीना क्रोएशिया गणराज्य से हैं।

भाजपा सूचना प्रौद्योगिकी शाखा के प्रभारी अमित मालवीय ने कहा, कांग्रेस के लिए यह बहुत बड़ी शर्मिंदगी की बात है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, कल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने गर्व से कहा था कि उनकी सरकार की दो योजनाओं को 'लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने मान्यता दी है, लेकिन अब पता चला कि यह पूरी बात झूठी है।

कांग्रेस को सचमुच धोखा दिया गया है! इस कथित प्रमाणपत्र में कई वर्तनी और व्याकरण की त्रुटियां हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि यह कंपनी जुलाई 2025 में बंद हो चुकी है, और अब यह पेज दिल्ली के चुना मंडी, पहाड़गंज से 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के नाम से संचालित किया जा रहा है! केवल कांग्रेस ही इस तरह के बड़े धोखे का शिकार हो सकती है।'' संपर्क करने पर, सीएमओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने इसे हमारे साथ साझा किया था। अब हम उनसे स्पष्टीकरण मांग रहे हैं।''

ग्रामीण बैंक कृषि क्षेत्र को कर्ज वितरण बढ़ाने पर ध्यान दें : निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्लारी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से कृषि क्षेत्र को ऋण वितरण बढ़ाने का आग्रह करते हुए कहा है कि नए ग्रामीण भारत की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह जरूरी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक ग्रामीण बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान यह बात कही। बैठक में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू, नाबार्ड के चेयरमैन शाजी के.वी. और वित्त मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में सीतारमण ने ऋण वृद्धि, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए), वित्तीय समावेश और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया।उन्होंने कर्नाटक ग्रामीण बैंक को जमीनी स्तर पर कृषि ऋण वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों पर खास ध्यान देने का निर्देश दिया। वित्त मंत्री ने सभी हितधारकों को क्षेत्रीय स्तर की सहायक कृषि गतिविधियों की संभावनाओं को साकार करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया।

सीतारमण ने कहा, कर्नाटक ग्रामीण बैंक और केनरा बैंक को राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर एमएसएमई और सहायक कृषि क्षेत्रों में ऋण वितरण बढ़ाने पर काम करना चाहिए। जीएसटी दरों में कटौती का जिक्र करते हुए सीतारमण ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती खपत के कारण नए अवसर खुल रहे हैं, जिससे बैंकों के लिए वित्तपोषण की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

उन्होंने ग्रामीण बैंकों को इस अवसर का लाभ उठाने और कस्बाई एवं ग्रामीण इलाकों में ऋण जरूरतों को पूरा करने का निर्देश दिया। कृषक-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की पूंजी आवश्यकताओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इन संगठनों की कार्यशील पूंजी जरूरतें बैंकों द्वारा पूरी की जानी चाहिए।

बयान के मुताबिक, सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों को एफपीओ के अनुरूप उत्पाद और सेवाएं लाने और संसाधनों का साझा उपयोग कर सतत ग्रामीण वृद्धि सुनिश्चित करने की सलाह दी।

भाजपा से निष्कासित यतनाल ने सिद्दरामय्या से सड़कों, सरकारी परिसरों में नमाज पर रोक लगाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से सड़कों, फुटपाथों और सरकारी परिसरों में बिना पूर्व अनुमति के नमाज पढ़ने पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। उनकी यह मांग कर्नाटक मंत्रिमंडल द्वारा कथित तौर पर आरएसएस की गतिविधियों, जिनमें सड़कों पर मार्च करना और सार्वजनिक स्थानों व सरकारी परिसरों में कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है, पर अंकुश लगाने के लिए नियम बनाने के निर्णय के एक दिन बाद आई है।

भाजपा से निष्कासित यतनाल ने सिद्दरामय्या को लिखे पत्र में कहा कि सरकार के हालिया फैसले से निजी संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं को सरकारी संपत्तियों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों का निजी या संस्थागत उद्देश्यों के लिए उपयोग करने से प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि तटस्थता और निष्पक्षता के समान सिद्धांत को समाज के सभी वर्गों में समान रूप से लागू किया जाना चाहिए।

पत्र में लिखा गया है, ''हमने लोगों को सक्षम अधिकारियों से उचित अनुमति लिए बिना सार्वजनिक सड़कों और सरकारी परिसरों में नमाज होते देखी है।'' इसमें आगे कहा गया है, ऐसी गतिविधियां वाहनों और पैदल यात्रियों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न करती हैं, जनता को असुविधा पहुंचाती हैं और पैदल यात्रियों को खतरे में डालती हैं, जिससे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत नागरिकों के स्वतंत्र आवागमन और सुरक्षा के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता है। उन्होंने तर्क दिया कि सरकारी कार्यालयों या अन्य सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों में नमाज अदा करने के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं होना चाहिए।

यतनाल ने कहा, ''सार्वजनिक संपत्ति पर अन्य संगठनात्मक गतिविधियों को प्रतिबंधित करते हुए ऐसी गतिविधियों की अनुमति देना चुनिंदा तरीके से प्रवर्तन के समान है और शासन की विश्वसनीयता को कम करता है।'' उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से राज्य भर के सभी उपायुक्तों और पुलिस आयुक्तों को उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध किया ताकि बिना पूर्व आधिकारिक अनुमति के सड़कों, फुटपाथों या सरकारी परिसरों में नमाज अदा न की जाए।

आंध्र और कर्नाटक के आईटी मंत्रियों के बीच फिर छिड़ी जुबानी जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/अमरावती। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रियों के बीच अपने-अपने राज्य में निवेश और कर्ज की स्थिति को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर जुबानी जंग छिड़ गई। आंध्र के आईटी मंत्री नारा लोकेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हाल ही में एक पोस्ट में कहा था, ''वे कहते हैं कि आंध्र का खाना मसालेदार होता है। लगता है हमारे कुछ निवेश भी मसालेदार हैं। कुछ पड़ोसी पहले से ही इसकी चपेट में हैं!'' लोकेश ने यह भी कहा था कि भारत के उभरते 'सबसे युवा राज्य' को सबसे ज्यादा निवेश मिला है। उन्होंने हाल में विशाखापत्तनम में गूगल के 15 अरब डॉलर के एआई डेटा सेंटर निवेश की प्रतिबद्धता का जिक्र किया, जिस पर नयी दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

पड़ोसी राज्य कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियंक खरगे ने पलटवार करते हुए एक्स पर कहा, ''हर कोई अपने खाने में थोड़ा मसाला पसंद करता है, लेकिन जिस तरह पोषण विशेषज्ञ संतुलित आहार की सलाह देते हैं, उसी तरह अर्थशास्त्री भी संतुलित बजट की वकालत करते हैं। पड़ोसी राज्य की कुल देनदारियां अब लगभग 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई हैं।'' कांग्रेस-शासित कर्नाटक के आईटी मंत्री ने कहा कि एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र सरकार ने सिर्फ एक साल में 1.61 लाख करोड़ रुपये उधार लिए हैं। इसके अलावा, खरगे ने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश का राजस्व घाटा सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के मुकाबले 'बदतर' होकर 2.6 प्रतिशत से बढ़कर 3.6 प्रतिशत हो गया है।

खरगे ने एक टीवी ब्रांड के पुराने विज्ञापन का हवाला देते हुए कहा, ''कुछ भी कहा और किया जाए, हम हमेशा रहेंगे: पड़ोसी की ईर्ष्या और मालिक का अभिमान।'' दोनों राज्यों के मंत्री इस मुद्दे पर पहले भी एक-दूसरे पर निशाना साध चुके हैं। हाल ही में लोकेश ने बुनियादी ढांचे से असंतुष्ट बेंगलूरु स्थित स्टार्टअप और कंपनियों को आंध्र प्रदेश में लाने की कोशिश की थी। खरगे ने इन प्रयासों की आलोचना की थी।

लॉजिस्टिक स्टार्टअप ब्लैकबक के राजेश याबाजी ने हाल में एक पोस्ट में कहा था कि बेंगलूरु के बेलंदूर से काम करना 'बहुत मुश्किल' हो रहा है, तो लोकेश ने उन्हें विशाखापत्तनम आने का न्योता दिया।

निर्मला सीतारमण ने एमपीलैड योजना के तहत कर्नाटक में किसान प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया

विजयनगर/दक्षिण भारत । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीलैड) योजना के तहत एक किसान प्रशिक्षण एवं सामान्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कासपुरा गांव में स्थित इस केंद्र का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित करना है ताकि उनकी कृषि उपज का मूल्यवर्धन किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह सुविधा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से स्थापित की गई है। एमपीलैड की शुरूआत 1993 में की गयी थी। इस योजना के तहत सांसदों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में सड़क, पेयजल और स्वच्छता जैसी सामुदायिक विकास परियोजनाओं के लिये धन आवंटित करने की अनुमति होती है।

सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित, इन परियोजनाओं का उद्देश्य जिला अधिकारियों द्वारा कार्यान्वित टिकाऊ बुनियादी ढांचे के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करना है। वित्त मंत्री के कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ये प्रयास मिलकर न केवल मूंगफली और इमली की मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाएंगे, बल्कि विपणन सहायता के साथ किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को भी मजबूती प्रदान करेंगे। वर्तमान में, इस इकाई को सालाना लगभग 200 मीट्रिक टन इमली के प्रसंस्करण के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कर्नाटक में महिलाओं के खिलाफ अपराध में बढ़ोतरी का आरोप, भाजपा नेता ने हस्तक्षेप की मांग की

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति ध्वस्त होने का आरोप लगाया और साथ ही कहा कि पिछले चार महीनों में लड़कियों के यौन उत्पीड़न के 979 मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें से 114 से अधिक मामले केवल बेंगलूरु के हैं। अशोक ने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनडब्ल्यूसी) की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर को पत्र लिखकर मामले में उनके हस्तक्षेप की मांग की है। अशोक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कर्नाटक की कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। सिर्फ चार महीनों में युवतियों पर 949 यौन उत्पीड़न के मामले सामने आए। अकेले बेंगलूरु में 114 से ज्यादा मामले। हमारी महिलाएं और बच्चियां कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की आपराधिक निष्क्रियता के कारण डर में जीती हैं। उन्होंने कहा कि मैसूरु की आदिवासी बच्ची के साथ क्रूर बलात्कार के बाद हत्या और कलबुरगी में उत्पीड़न के कारण लाइब्रेरियन की आत्महत्या जैसे मामले नैतिक और प्रशासनिक विफलताओं को दिखाते हैं। अशोक ने बृहस्पतिवार को राहटकर को लिखे पत्र में महिलाओं और नाबालिगों के खिलाफ जघन्य अपराधों में वृद्धि पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति एक मानवीय और नैतिक संकट प्रस्तुत करती है।

'दपरे' ने दीवाली पर भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाया

बेंगलूरु/हुब्बल्ली। दिवाली और छठ त्योहारों के दौरान भारी भीड़ को देखते हुए, दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने अपने बेंगलूरु, हुब्बल्ली और मैसूरु मंडलों में यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक भीड़ प्रबंधन योजना शुरू की है। मांग में अपेक्षित वृद्धि को पूरा करने के लिए, दपरे 338 फेरों वाली 136 विशेष ट्रेनें चलाएगा, साथ ही नियमित सेवाओं के 390 फेरों में 540 अतिरिक्त डिब्बे जोड़ेगा।

त्योहारों के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए, केएसआर बेंगलूरु, बेंगलूरु छावनी, यशवंतपुर, मैसूर, हुब्बल्ली, दावणगेरे, तुमकुरु, हासन, मांड्या, होसापेट, बल्लारी, विजयपुरा, गदग, बागलकोट और वास्को-द-गामा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों की तैनाती की गई है। उन्नत सीसीटीवी सिस्टम और बैगेज स्कैनर के ज़रिए निगरानी बढ़ा दी गई है, साथ ही निरंतर निगरानी और सुरक्षा संचालन सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त पावर बैकअप की व्यवस्था भी की गई है।

यात्रियों की आवाजाही को सुचारू बनाने के लिए, प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त वाणिज्यिक कर्मचारियों, अधिकारियों, आरपीएफ कर्मियों और स्वयंसेवकों को तैनात किया गया है। यात्रियों को ट्रेन के समय-सारिणी, दिशा-निर्देश और टिकट संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए समर्पित हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। यात्रियों को प्लेटफ़ॉर्म, लिफ्ट, फुट ओवरब्रिज और आवश्यक सुविधाओं तक पहुँचने में मदद करने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर प्रमुख 'मार्गदर्शक' साइनेज लगाए गए हैं, जिससे व्यस्त क्षेत्रों में आवागमन आसान हो गया है।

त्योहारों के दौरान आने वाले यात्रियों की संख्या को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए, अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए हैं और बुकिंग कार्यालयों तथा सामान्य डिब्बों के प्रवेश द्वारों पर कतार प्रबंधक तैनात किए गए हैं। आपात स्थितियों से तुरंत निपटने के लिए महत्वपूर्ण स्टेशनों पर चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए, कई नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे जोड़े गए हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने कहा कि दक्षिण पश्चिम रेलवे यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि त्योहारों के मौसम में यात्री आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा कर सकें। प्रत्येक प्रमुख त्योहार के लिए अतिरिक्त ट्रेनें चलाकर, हम न केवल बढ़ती माँग को पूरा कर रहे हैं, बल्कि विश्वसनीय और जन-हितैषी सेवाएँ प्रदान करने के अपने मिशन को भी मज़बूत कर रहे हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

दक्षिण पश्चिम रेलवे
रेलवे भर्ती कक्ष, हुब्बल्लि

दक्षिण पश्चिम रेलवे में वर्ष 2025-26 के लिए खेल कोटे के अंतर्गत भर्ती (खुला विज्ञापन) समूह "ग" और पूर्व समूह "घ" श्रेणियों के लिए सांकेतिक विज्ञापन

(रोजगार सूचना सं. एसडब्ल्यूआर/पी-एचक्यू/स्पोर्ट्स (ओए)/25-26, दिनांक 21.10.2025

ऑनलाइन आवेदन खुलने की तिथि: 21.10.2025

आवेदन की अंतिम तिथि: 20.11.2025 (23:59 बजे)

दक्षिण पश्चिम रेलवे स्पोर्ट्स कोटा (खुला विज्ञापन) के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए विभिन्न विभागों में रेलवे सेवाएं (संशोधित वेतन) नियम, 2016 के लेवल-5/4 एवं लेवल 3/2 में ग्रुप 'सी' श्रेणियों एवं पू
र्ववर्ती लेवल-1 में ग्रुप 'डी' श्रेणियों के 46 पदों को भरने के लिए योग्य भारतीय खिलाड़ियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है।

शैक्षिक योग्यता, आयु, चयन का तरीका, परीक्षा शुल्क, आवेदन कैसे करें और अन्य महत्वपूर्ण निर्देशों के साथ-साथ संबंधित अनुलग्नक जैसी पूरी जानकारी के साथ अधिसूचना रेलवे भर्ती कक्ष, हुब्बल्लि की आधिकारिक वेबसाइट www.rrchubli.in पर उपलब्ध है।

विस्तृत अधिसूचना और ऑनलाइन आवेदन जमा करने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.rrchubli.in पर जाएं।

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती कक्ष, दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुब्बल्लि

PUB/527/AAD360/PRB/SWR/2025-26

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

घूमर

जयपुर के जवाहर कला केंद्र में लोकरंग महोत्सव 2025 के दौरान राजस्थानी कलाकार 'घूमर' प्रस्तुत करते हुए।

भाजपा ने अंता विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए शुक्रवार को मोरपाल सुमन को अपना उम्मीदवार घोषित किया। कांग्रेस ने प्रमोद जैन को उम्मीदवार बनाया है जो पहले ही अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। सुमन इस समय बारां पंचायत समिति के प्रधान हैं। वह सरपंच रह चुके हैं और उनकी पत्नी वर्तमान में सरपंच हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा, पार्टी ने चर्चा, सर्वेक्षण और विचार-विमर्श के बाद मोरपाल सुमन को अपना उम्मीदवार घोषित किया है जो एक जनसेवक के रूप में काम करेंगे। निश्चित रूप से वह चुनाव जीतेंगे।''

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार इस सीट पर उपचुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है। उन्नीस और 20 अक्टूबर को दीपावली का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं किए जा सकेंगे। नामांकन-पत्रों की जांच 23 अक्टूबर को होगी और नाम वापस लेने की आखिरी तिथि 27 अक्टूबर तय की गई है।

अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। यह सीट भाजपा के विधायक कंवरलाल मीणा को अयोग्य घोषित किए जाने के कारण रिक्त हुई थी। अंता विधानसभा क्षेत्र में एक अक्टूबर 2025 तक कुल 2,27,563 मतदाता पंजीकृत हैं।

व्यवसायी की हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल से तीन शूटर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कुचामन सिटी कस्बे में एक व्यवसायी की हत्या के मामले में वांछित तीन शूटरों को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राजस्थान पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने कोलकाता में स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बृहस्पतिवार देर रात तीन आरोपियों - गणपत गुर्जर, धर्मेंद्र गुर्जर और महेश गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। चौथा आरोपी जुबैर अहमद अब भी फरार है। अधिकारियों के अनुसार सात अक्टूबर को कुचामन के एक जिम में व्यवसायी रमेश रुलानिया की हत्या के बाद चारों आरोपी शूटर आठ दिनों तक फरार रहे और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलते रहे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, इस दौरान आरोपी एक दर्जन से ज़्यादा शहरों में लोकल ट्रेन और बसों से यात्रा करते रहे, रात में कहीं रुके नहीं ताकि उनकी सही लोकेशन का पता न चल सके। पुलिस के अनुसार इस दौरान कुछ आरोपी आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर गए और अपना रूप बदलने के लिए अपने सिर मुंडवा लिए। बाद में यह समूह अलग हो गया जिसमें जुबैर अहमद अन्य आरोपियों से अलग हो गया। बाकी तीन झारखंड होते हुए कोलकाता पहुंचे जहां राजस्थान पुलिस की टीमों ने उनका पता लगाया।

पुलिस ने बताया कि एजीटीएफ और पुलिस की विशेष इकाई कई राज्यों में आरोपियों पर नजर रख रही थी। खुफिया जानकारी के आधार पर टीमें कोलकाता पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने कहा, उनसे पूछताछ की जाएगी। पूछताछ से हत्या की साजिश के बारे में अहम जानकारी मिलने की संभावना है। पुलिस ने शुरुआत में चारों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। बाद में, अतिरिक्त महानिदेशक (अपराध) दिनेश एम.एन. ने गणपत, धर्मेंद्र और महेश पर इनाम बढ़ाकर एक-एक लाख रुपये कर दिया।

राजस्थान आवास बोर्ड के लिए अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण 'सरासर घोटाला': न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर।उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान आवास बोर्ड के लिए अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण ''सरासर घोटाला'' है जिसमें ऊपर से लेकर नीचे तक सभी की मिलीभगत है।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय के दर्जनों आदेश हैं जिनमें कहा गया है कि अधिकारी इन निर्माणों को नियमित नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, कई पीठों ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि जमीन अतिक्रमण मुक्त हो जाए। इस घोटाले के पीछे ये ताकतवर लोग हैं, जो इसे होने नहीं देते। पीठ ने यह टिप्पणी राजस्थान सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के 20 अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उच्च न्यायालय ने राजस्थान आवास बोर्ड के लिए अधिग्रहित भूमि पर बसी अवैध कॉलोनियों को नियमित करने के लिए सरकार द्वारा 12 मार्च, 2025 को जारी आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि संबंधित भूमि पर किए गए किसी भी अतिक्रमण को ध्वस्त किया जाना चाहिए तथा ऐसे अवैध निर्माण की अनुमति देने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई भी की जानी चाहिए। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान, राजस्थान की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया और कहा कि वहां लगभग 5,000 घर हैं। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, यह एक गंभीर मामला है जिसका उच्च न्यायालय ने संज्ञान लिया है।

पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार से इन अवैध निर्माणों को गिराने पर विचार करने को कहा है। पीठ ने कहा, अदालत में जाकर अपनी बात बताइए। यह पूरी तरह से घोटाला है। उच्च न्यायालय के पहले भी दर्जनों आदेश आ चुके हैं कि आप इन निर्माणों को नियमित नहीं कर सकते, आप इन कब्ज़ों को नियमित नहीं कर सकते। जमीन आवास बोर्ड की है। ऊपर से नीचे तक सब इसमें मिले हुए हैं। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, यह बिल्कुल सत्य है। आप निर्देश मान लें, अन्यथा हम इसे जारी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि सब कुछ ध्वस्त हो जाए। पीठ ने कहा कि यह इतना बड़ा घोटाला है कि हम सोच भी नहीं सकते। पीठ ने कहा कि आवास बोर्ड के भूखंडों पर जमीन हड़पने वालों, प्रॉपर्टी डीलरों आदि ने कब्ज़ा कर रखा है। शीर्ष अदालत ने राज्य को याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए उचित राहत के लिए उच्च न्यायालय जाने की छूट दी।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शुक्रवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। उन्होंने उच्च शिक्षा के उन्नयन संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

धन्वंतरि आरोग्य सप्ताह एवं धन्वंतरि जयंती का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सचिवालय परिसर स्थित राजकीय आयुर्वेद औषधालय में शुक्रवार को प्रतिवर्ष की भाँति धन्वंतरि आरोग्य सप्ताह एवं भगवान धन्वंतरि जयंती का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी वैद्य राजेश शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद मानव जीवन को संतुलित एवं स्वस्थ बनाए रखने की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति को निरोग बनाए रखने तथा रोगी को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और सकारात्मक जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. गिरधर गोपाल शर्मा ने आयुर्वेदिक जीवनशैली में आवश्यक सुधार, आहार-विहार एवं ऋतुचर्या के पालन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रशासनिक सुधार विभाग के उप शासन सचिव श्री मेघराज पवार उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की तथा सभी को आयुर्वेदिक सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

होम्योपैथिक निदेशक डॉ. मनीषा सक्सेना की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न इस समारोह में आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े अधिकारी, चिकित्सक, कंपाउंडर, नर्सिंगकर्मी एवं सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत धन्वंतरि आरती का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मौसमी बीमारियों से बचाव एवं उपचार संबंधी परामर्श पत्र तथा शरद एवं वर्षा ऋतु में सावधानी हेतु जानकारी-पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर सचिवालय चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविन्द्र कुमार शर्मा (आयुर्वेद), डॉ. विष्णु शर्मा (होम्योपैथी), तथा डॉ. सविता जायसवाल (यूनानी) ने भी भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की।

जैसलमेर बस अग्निकांड में मृतकों की संख्या बढ़कर 22 हुई; सुरक्षा चूक की जांच शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जैसलमेर बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राजस्थान पुलिस ने हादसे के संबंध में बस के मालिक व चालक को हिरासत में लिया है और बस निर्माण एवं सुरक्षा मानकों में संभावित चूक की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में झुलसे एक और यात्री की मौत के बाद मृतकों की संख्या 22 हो गई है। उन्होंने बताया कि जोधपुर में इस समय भी 13 घायलों का इलाज चल रहा है जिनमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है।

जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने बताया कि हादसे का शिकार हुई बस के मालिक तुराब अली और चालक शौकत खान को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि बस का ढांचा बनाने वाले वर्कशॉप के मनीष जैन के खिलाफ पहले ही मामला दर्ज किया जा चुका है और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ), जोधपुर ने उनकी वर्कशॉप को सील कर दिया है।

शिवहरे ने कहा कि संभावित आपराधिक लापरवाही सहित सभी पहलुओं से मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। उन्होंने कहा, ''बस में 35 यात्री सवार थे - 22 की मौत हो गई और 13 का इलाज हो रहा है। कोई भी लापता नहीं है।'' उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक और तकनीकी रिपोर्ट मिलने के बाद अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसके साथ ही राज्य सरकार ने बस सुरक्षा मानदंडों की व्यापक जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान में सर्दी ने कराया अहसास : सीकर में पारा 14 डिग्री से नीचे, रात में बढ़ी ठिठुरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान में अब ठंड ने धीरे-धीरे अपनी उपस्थिति दर्ज करानी शुरू कर दी है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से रात के तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। सीकर, अजमेर और आसपास के इलाकों में पारा औसत से करीब 5 डिग्री नीचे पहुंच गया है। गुरुवार रात सीकर में न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो अब तक का इस सीजन का सबसे कम तापमान है।शेखावाटी क्षेत्र (सीकर, झुंझुनूं, चूरू) में हल्की सर्द हवाओं ने सुबह-शाम ठिठुरन बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में ऐसा ही मिज़ाज रहने की संभावना है।

तापमान में किसी बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना नहीं है, लेकिन रातें और ठंडी होती जाएंगी। राज्य के ज़्यादातर हिस्सों में दिन में मौसम साफ़ और धूप खिली हुई है। दोपहर में हल्की गर्मी का एहसास अब भी बना हुआ है।गुरुवार को बाड़मेर का अधिकतम तापमान 36.9ओउ और जैसलमेर का 36.3ओउ रिकॉर्ड किया गया ये दोनों राज्य के सबसे गर्म शहर रहे।वहीं, सीकर में रात सबसे ठंडी रही। पिलानी (15.7ओउ) और दौसा (15.6ओउ) में भी तापमान औसत से नीचे दर्ज हुआ।

जयपुर, उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर और आसपास के इलाकों में भी रात का तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री कम हो गया है। सुबह की हवा में ठंडक महसूस की जा रही है और खुले इलाकों में ओस की परत दिखने लगी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर भारत में आ रही ठंडी हवाओं के चलते आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट हो सकती है। नवंबर के पहले हफ्ते से सर्दी का असर और गहराने की संभावना है।

नियमों के खिलाफ पट्टे जारी करने पर कार्रवाई : उदयपुर में तीन वीडीओ निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर । राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उदयपुर जिले के तीन ग्राम विकास अधिकारियों (वीडीओ) को निलंबित कर दिया है। ये कार्रवाई उन शिकायतों के बाद की गई, जिनमें आरोप था कि संबंधित अधिकारियों ने नियमों की अनदेखी कर पंचायत क्षेत्र में अवैध पट्टे जारी किए और सरकारी धन के उपयोग में वित्तीय अनियमितताएं बरतीं। तीनों अधिकारियों पर लगे गंभीर आरोप

जिला परिषद उदयपुर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रीया डाबी ने बताया कि निलंबित किए गए अधिकारियों में मनीष कुमार, रवि लसोड़ और बोलताराम मीणा शामिल हैं।तीनों अधिकारी पहले ग्राम पंचायत चारगदिया, पंचायत समिति भींडर में पदस्थ थे, जहां इनके कार्यकाल के दौरान भूमि आवंटन और विकास निधि के उपयोग में गड़बड़ियां सामने आईं। सूत्रों के अनुसार, इन वीडीओ ने पंचायत के अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर ऐसे भूखंडों के पट्टे जारी किए, जो पात्रता की श्रेणी में नहीं आते थे। कुछ मामलों में बिना आवश्यक अनुमोदन के दस्तावेज़ तैयार किए गए, जिससे पंचायत निधि पर अनावश्यक वित्तीय भार पड़ा।

ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से इन अधिकारियों की शिकायतें जिला प्रशासन तक पहुंचाई जा रही थीं। कई बार ग्राम सभा में भी इस विषय पर आपत्तियां दर्ज कराई गईं।शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए जिला परिषद की ओर से एक जांच समिति गठित की गई। समिति ने रिकॉर्ड और फील्ड विजिट के आधार पर पाया कि नियमों को दरकिनार कर कई पट्टे जारी किए गए हैं, जिनसे सरकारी जमीन का दुरुपयोग हुआ। जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया कि तीनों वीडीओ ने न केवल अपने पद का दुरुपयोग किया, बल्कि पंचायत प्रशासन की साख को भी नुकसान पहुंचाया।इसके बाद राज्य सरकार ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तीनों अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश जारी किया। यह कार्रवाई राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के तहत की गई है। निलंबन अवधि के दौरान तीनों अधिकारियों को जिला परिषद उदयपुर मुख्यालय में रिपोर्ट करने के आदेश दिए गए हैं। विभागीय स्तर पर इनकी आगे भी विस्तृत जांच जारी रहेगी। यदि जांच में आरोप प्रमाणित होते हैं तो इनके खिलाफ बर्खास्तगी या सेवा समाप्ति जैसी कड़ी कार्रवाई की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

राज्य सरकार हाल के दिनों में ग्रामीण विकास विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए कई सख्त कदम उठा रही है।भ्रष्टाचार के मामलों में 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए, सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को नियमों के विरुद्ध कार्य करने की छूट नहीं दी जाएगी।

दीप पर्व के शुभारंभ पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को राजभवन में अनौपचारिक कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली के पावन पर्व के शुभारंभ की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को दीप पर्व की मिठाई भी वितरित की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला पावन पर्व है। उन्होंने दीपावली पर सभी के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी एवं प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर सहित राजभवन के अधिकारीगण और कर्मचारीगण मौजूद रहे।

घूसखोर डॉक्टर मनीष अग्रवाल सस्पेंड

जयपुर/दक्षिण भारत । एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए एसएमएस मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रिंसिपल और न्यूरोसर्जन डॉ. मनीष अग्रवाल को आखिरकार सात दिन बाद सस्पेंड कर दिया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की सिफारिश के बाद कार्मिक विभाग ने निलंबन के आदेश जारी कर दिए हैं। डॉ. अग्रवाल का निलंबन काल के दौरान हैडक्वार्टर जोधपुर स्थित एस.एन. मेडिकल कॉलेज रहेगा। आदेशों में सीनियर प्रोफेसर न्यूरोसर्जरी डिपार्टमेंट और अतिरिक्त प्रिंसिपल दोनों पदों से निलंबित किया है।

मेडिकल शिक्षा विभाग ने की थी सिफारिश: इसके बाद पिछले दिनों एसएमएस मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल ने डॉ. अग्रवाल की कार्रवाई की जानकारी मेडिकल एज्युकेशन डिपार्टमेंट को भिजवाते हुए निलंबन की सिफारिश की थी। यहां से प्रस्ताव कार्मिक विभाग को भेजा गया। कार्मिक विभाग ने राज्यपाल के निर्देश पर सस्पेंशन के आदेश जारी करते हुए 10 अक्टूबर यानी रिश्वत लेने वाले दिन से निलंबित मानते हुए शुक्रवार को इसके आदेश जारी कर दिए हैं।

सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए भूमि रूपांतरण की आवश्यकता नहीं, विभाग ने दिए आदेश

जयपुर। राज्य सरकार ने अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब निजी कृषि भूमि पर सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए भूमि उपयोग परिवर्तन (भूमि रूपांतरण) की आवश्यकता नहीं होगी। विभाग के जारी परिपत्र के अनुसार यह निर्णय ऊर्जा विभाग की राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 के प्रावधानों के अनुरूप लिया गया है। इस नीति के बिंदु संख्या 10.2 में उल्लेख किया गया है कि राजस्थान भू-अधिकार अधिनियम 1955 तथा राजस्थान भूमि राजस्व अधिनियम 1956 और उनके अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निजी कृषि भूमि पर नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के विकास के लिए भूमि रूपांतरण आवश्यक नहीं होगा।

'परिवारवाद की राजनीति' को खारिज कर 'प्रदर्शन की राजनीति' को चुनें बिहार के लोग : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के लोगों को परिवारवाद की राजनीति'' को खारिज करते हुए प्रदर्शन की राजनीति को चुनना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदेश में 'जंगलराज' की कभी वापसी नहीं हो। उन्होंने पटना के ज्ञान भवन में बुद्धिजीवियों के सम्मलेन को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसी पार्टियां वंशवाद को बढ़ावा देती हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सुशासन और विकास की राजनीति का प्रतीक है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शाह ने कहा, जनता को यह तय करना होगा कि वह प्रदर्शन की राजनीति चाहती है या परिवार की राजनीति। कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां केवल परिवार के हितों के लिए काम करती हैं, जबकि राजग सरकार ने बिहार को जंगल राज से बाहर निकालकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है।

गृह मंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि यह पहला विधानसभा चुनाव होगा जिसमें पूरे बिहार में मतदान शाम पांच बजे तक चलेगा, क्योंकि राज्य अब नक्सलमुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार को जंगल राज से मुक्त कर सुशासन की नींव रखी है।

शाह ने मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा, नीतीश जी ने 15 वर्षों तक बिहार की खोई हुई गरिमा को बहाल किया और अब नया व विकसित बिहार बनाने की आधारशिला रखी है। उन्होंने सुशासन की नींव डाली, इसलिए उन्हें 'सुशासन बाबू' कहा जाता है।

उनका कहना था, '' डबल इंजन की सरकार में बिहार में बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचा विकसित हुआ है। गंगा पर कई विशाल पुलों का निर्माण हो रहा है, चार नए हवाई अड्डे बने हैं, दरभंगा में नया एम्स बन रहा है।'' उन्होंने कहा कि यह राजग सरकार का तीसरा चरण है और अब लक्ष्य है कि बिहार में भारी उद्योग स्थापित हों, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो। उन्होंने दावा किया, ऐसे काम न तो लालू जी कर सकते हैं, न राहुल जी।

शाह ने कहा कि नई सरकार बिहार को डेटा सेंटर हब बनाने और प्रवासनमुक्त राज्य बनाने की दिशा में काम करेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बिहार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्रांति का नेतृत्व कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है और देश में महंगाई पिछले चार दशकों में सबसे कम स्तर पर है।

शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी घुसपैठियों के अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं और निर्वाचन आयोग को ऐसे सभी नाम मतदाता सूची से हटाने चाहिए।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, वे हर परिवार को सरकारी नौकरी देने का वादा कर रहे हैं, लेकिन क्या वे बता सकते हैं कि इसके लिए बजट कहां से आएगा? शाह ने कहा, लोगों को सुनिश्चित करना होगा कि बिहार में जंगल राज फिर कभी न लौटे।

कांग्रेस-सपा 'फूट डालो, शासन करो' की नीति अपना रही : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर अंग्रेज़ों की 'फूट डालो और शासन करो' नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संकल्प एक भारत-श्रेष्ठ भारत है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह से संबंधित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने यहां राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और विपक्षी दलों का 'इंडिया' गठबंधन अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति को आज भी अपनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ये दल समाज में जाति, पंथ और मजहब के आधार पर फूट डालने का काम कर रहे हैं ताकि देश की एकता और अखंडता कमजोर हो। योगी ने कहा कि जब देश आज़ाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की साजिश रची थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी कोशिश थी कि भारत कभी एक न हो सके, लेकिन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 560 से ज्यादा देसी रियासतों का भारत गणराज्य में विलय कराकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। उन्होंने कहा, आज उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जो भारत एकजुट दिखता है, वह सरदार पटेल की देन है। इसलिए उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

योगी ने कहा कि भाजपा और केंद्र व राज्य की सरकारें सरदार पटेल के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने के लिए कार्यरत हैं। उन्होंने कहा, जब विपक्ष समाज को बांटने की राजनीति कर रहा है, तब भाजपा की जिम्मेदारी है कि एकता और अखंडता के संदेश को हर गांव और हर विधानसभा तक पहुंचाया जाए।

बिहार को 'अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता' का कॉकटेल परोस रहे हैं नीतीश : दीपांकर भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाया है कि वह राज्य की जनता को तीन सीअपराध (क्राइम), भ्रष्टाचार (करप्शन) और सांप्रदायिकता (कम्युनलिज्म) का कॉकटेल परोस रहे हैं, जबकि इन पर समझौता न करने का वादा उन्होंने खुद किया था।

भट्टाचार्य ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, राज्य की स्थिति भयावह है। नीतीश कुमार, जो स्वयं को 'जंगलराज' खत्म करने वाला बताते हैं, अब उसी बिहार पर शासन कर रहे हैं जहां अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता का गठजोड़ सरकार चला रहा है। उन्होंने कहा, नीतीश जी कहा करते थे कि वे तीन 'सी'अपराध, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिकता पर कभी समझौता नहीं करेंगे, खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ जाने के बाद। लेकिन अब उनके शासन में केवल समझौता नहीं, बल्कि इन तीनों का घातक कॉकटेल तैयार हो गया है।

भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों, नेताओं और पुलिस अधिकारियों का एक गठजोड़ सरकार चला रहा है। यही गठबंधन असली सत्ता है, न कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)। उन्होंने हाल में पटना के एक निजी अस्पताल में हुई हत्या की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा, राज्य में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्म की घटनाएं हकीकत बन चुकी हैं। राजधानी पटना के पॉश इलाके स्थित पारस अस्पताल में दिनदहाड़े चंदन मिश्रा की हत्या कर दी गई और अपराधियों के चेहरे साफ तौर पर सीसीटीवी में कैद हो गए। भाकपा (माले) लिबरेशन के नेता ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासनकाल के दौरान कानून-व्यवस्था के रिकॉर्ड को लेकर उठाए जा रहे सवालों का अब जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, राजद अब वह पार्टी नहीं रही जो दो दशक पहले थी। हमने भी उससे अपने पुराने मतभेद पीछे छोड़ दिए हैं। भट्टाचार्य ने उल्लेख किया कि पिछले विधानसभा चुनाव में हम सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंच गए थे, परंतु बहुमत से कुछ सीटें कम रह गई थीं। भाकपा (माले) लिबरेशन, राजद और कांग्रेस समेत अन्य दल इस बार भी विपक्षी गठबंधन के हिस्से के रूप में बिहार विधानसभा चुनाव मैदान में हैं। भट्टाचार्य ने दावा किया है कि चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी को बिहार से बाहर रहने वाले प्रवासी बिहारियों के बीच राज्य की तुलना में अधिक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने 'पीटीआई भाषा' से विशेष बातचीत में कहा कि उन्हें इस बात पर आश्चर्य नहीं हुआ कि किशोर ने अंततः खुद चुनाव मैदान में उतरने का फैसला नहीं किया। उन्होंने स्वीकार किया कि वह जनसुराज को भाजपा की तरह लोकतंत्र के लिए खतरा नहीं मानते।

भट्टाचार्य ने कहा, मेरा मानना है कि जनसुराज पार्टी ने मुख्य रूप से दिल्ली जैसे स्थानों पर रहने वाले प्रवासी बिहारी मजदूरों के बीच एक उत्सुकता पैदा की है। उन्होंने पहले अरविंद केजरीवाल पर भरोसा जताया था और अब उन्हें प्रशांत किशोर में वही उम्मीद दिखाई देती है जो कभी आम आदमी पार्टी ने दिखाई थी।

असम में गैंडे के शिकार की कोशिश नाकाम, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के बिश्वनाथ जिले में गैंडे के शिकार की कोशिश को नाकाम करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार कर किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बिश्वनाथ के गोहपुर के मुहिकांत पेगु, माजुली जिले के गार्मुर के मनुज पठारी और किरण पेगु के रूप में की गई है। उन्होंने कहा, बिश्वनाथ, माजुली और लखीमपुर के पुलिस दलों द्वारा संचालित संयुक्त अभियान में बृहस्पतिवार को शिकार के प्रयास नाकाम कर दिए गए और इस संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्तियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने विश्वनाथ जिले के गोहपुर में देबजीत पेगु नामक व्यक्ति के घर से एक राइफल और नौ कारतूस बरामद किए। देबजीत पेगु फिलहाल फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

ओडिशा पुलिस भर्ती अनियमितताओं में चार और गिरफ्तार, मुख्य षड्यंत्रकर्ता की तलाश जारी

कटक/भाषा। ओडिशा में पुलिस भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में शुक्रवार को चार और लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उपनिरीक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा पांच और छह अक्टूबर को होनी थी लेकिन कथित अनियमितताओं का पता चलने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुन्ना मोहंती, अभिमन्यु डोरा, श्रीकांत महराना और सौम्या प्रियदर्शिनी सामंत के रूप में हुई। पुलिस ने कहा कि उन्हें नयागढ़ जिले के दासपल्ला इलाके से गिरफ्तार किया गया। ये अनियमितताएं तब पकड़ी गईं जब 114 अभ्यर्थियों और तीन संदिग्ध दलालों को 29 सितंबर की रात को आंध्र प्रदेश से लगी राज्य की सीमा पर उस समय पकड़ा गया जब वे भुवनेश्वर से विजयनगरम स्थित एक विशेष कोचिंग केंद्र जा रहे थे। अरबिंद दास सहित दो अन्य संदिग्ध दलालों को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इन अभ्यर्थियों ने गिरोह को पहले ही 10-10 लाख रुपए दे दिए थे और नौकरी मिलने के बाद उन्हें 25 लाख रुपए और देने थे। उन्होंने बताया कि नवीनतम गिरफ्तारियों के साथ पकड़े गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 123 हो गई है।

प्रतिबंधित उल्फा के हमले में सेना के तीन जवान मामूली रूप से जख्मी

तिनसुकिया/डिब्रूगढ़/गुवाहाटी/भाषा। असम के तिनसुकिया जिले में शुक्रवार तड़के सुरक्षा बलों के शिविर पर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) के सदस्यों ने गोलीबारी की, जिसमें सेना के तीन जवान मामूली रूप से जख्मी हुए हैं। यह घटना काकोपथार इलाके में हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि इस तरह के हमलों को अंजाम देने के लिए उल्फा (आई) और म्यांमा से नियंत्रित अन्य समूह समन्वित प्रयास कर रहे हैं। रक्षा प्रवक्ता ने बताया, देर रात करीब 12:30 बजे अज्ञात आतंकवादियों ने एक चलती गाड़ी से काकोपाथर कंपनी के ठिकाने पर गोलीबारी की। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और साथ ही यह सावधानी भी बरती कि आस-पास के नागरिकों के घरों को कोई नुकसान न पहुंचे। उन्होंने बताया कि सेना के जवानों की जवाबी कार्रवाई के कारण आतंकवादी स्वचालित हथियारों का उपयोग करके अंधाधुंध गोलीबारी करने के बाद घटनास्थल से फरार हो गए।

बंगाल में आगामी एसआईआर को लेकर तृणमूल सांसद और केंद्रीय मंत्री के बीच जुबानी जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के बीच शुक्रवार को हुई जुबानी जंग में व्यक्तिगत ताने मारे गए और गाली-गलौज तक की नौबत आ गई।

यह वाकयुद्ध उस वक्त शुरू हुआ, जब पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री मजूमदार ने चेतावनी दी कि अगर एसआईआर कवायद को लेकर कोई अशांति फैली तो केंद्रीय बलों को तैनात किया जा सकता है और यहां तक कि गोलीबारी भी हो सकती है।

उनकी टिप्पणी पर श्रीरामपुर से तृणमूल सांसद बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और मजूमदार पर बंगाल के मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया तथा उन्हें अपने (बनर्जी के) निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने की चुनौती दी।

चार बार के सांसद बनर्जी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा, ''निर्वाचन आयोग को एक भी मतदाता को हटाने दो और फिर देखो क्या होता है। हम सब कुछ ठप कर देंगे।'' उन्होंने कहा, ''जो लड़का मंत्री बन गया है, उसे बता दो कि सीआईएसएफ की गोलियां उसे लगेंगी। हिम्मत है तो श्रीरामपुर आओ। देखते हैं तुम घर कैसे जाते हो।'' बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री को 'तुई टोकरी' (एक अपमानजनक बांग्ला शब्द, जिसका अर्थ 'बेकार आदमी' है) कहा।

मजूमदार ने पलटवार करते हुए कहा कि बनर्जी की टिप्पणी ''मानसिक स्थिरता खोने और राजनीतिक शालीनता के क्षरण'' को दर्शाती है। मजूमदार ने बालुरघाट में संवाददाताओं से कहा कि एक मौजूदा सांसद एक केंद्रीय मंत्री को गोली मारने की धमकी दे रहे हैं जो उनकी मानसिक स्थिति को दर्शाता है। भाजपा नेता ने कहा कि ऐसे लोग सक्रिय राजनीति के लिए उम्र सीमा को पार कर गए हैं और उन्हें वृद्धाश्रम भेज देना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि बनर्जी बच्चों की तरह बातें कर रहे हैं और उन्हें पता ही नहीं कि वह क्या कह रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं उसकी चुनौती स्वीकार करता हूं। मैं कल श्रीरामपुर जा रहा हूं। देखते हैं कि वह कितना बड़ा 'बापर बेटा' (अपने बाप की औलाद) हैं।'' इस वाकयुद्ध ने भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच तनाव को फिर से बढ़ा दिया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर राजनीतिक लाभ के लिए आगामी एसआईआर प्रक्रिया में हेरफेर करने का आरोप लगा रहे हैं। तृणमूल ने जहां मजूमदार की टिप्पणियों को भड़काऊ बताया और ''मतदाताओं को आतंकित करने'' के मकसद वाला बताया, वहीं भाजपा ने अपने नेता का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने केवल यह दोहराया था कि एसआईआर की कवायद के दौरान कानून-व्यवस्था बरकरार रखी जाएगी। मजूमदार के शनिवार को श्रीरामपुर जाने के साथ, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह टकराव भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और तृणमूल के स्थानीय नेताओं के बीच एक प्रतीकात्मक ''जोर आजमाइश'' का रूप ले चुका है।

मंदसौर की घटना को लेकर कांग्रेस ने शिक्षण संस्थानों में आरएसएस-एबीवीपी पर प्रतिबंध की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के मंदसौर में छात्राओं का कपड़े बदलते वक्त कथित तौर पर वीडियो बनाए जाने की घटना और कुछ अन्य घटनाओं का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उसकी छात्र इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) को शिक्षण संस्थानों में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रमुख वरुण चौधरी ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा एबीवीपी पर निशाना साधा। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के एक सरकारी महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए तैयार हो रही छात्राओं के कथित तौर पर छिपकर वीडियो बनाने के आरोप में तीन विद्यार्थियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी एबीवीपी के सदस्य बताए गए हैं जबकि एक आरोपी के संगठन का नगर मंत्री होने का दावा किया गया है। इन सभी की उम्र 20 से 22 के बीच है। अलका ने संवाददाताओं से कहा, ''मंदसौर के एक सरकारी कॉलेज से शर्मसार करने वाली घटना सामने आ रही है। बेटी बचाओ का नारा देने वाले ही बेटियों का कपड़े बदलते वक्त वीडियो बना रहे हैं। ये काम भाजपा के पोषित संगठन एबीवीपी ने किया है। यह घटना भाजपा के 'चाल-चरित्र-चेहरे' को दिखाती है। उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश की घटना में एबीवीपी की तरफ से पत्र लिखकर आरोपियों का बचाव किया जा रहा है तथा भाजपा के नेताओं द्वारा आरोपियों को क्लीन चिट दी जा रही है। अलका ने कहा, ''कॉलेज की प्राचार्य ने सीसीटवी फुटेज सौंपे हैं, जिनमें एबीवीपी से जुड़े पदाधिकारी वीडियो फिल्माते दिख रहे हैं।''

घड़ियाली आंसू बहाने वाले कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है : मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की फतेहपुर में दलित परिवार से मुलाक़ात को लेकर उन पर तीखा हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि घड़ियाली आंसू बहाने वाले कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है।

रायबरेली जिले के ऊंचाहार क्षेत्र में फतेहपुर जिले के निवासी अनुसूचित जाति के हरिओम वाल्मीकि (40) की ड्रोन चोरी के शक में एक और दो अक्टूबर की दरम्यानी रात भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। बाद में मारपीट और हरिओम के शव के वीडियो ऑनलाइन सामने आए, जिससे लोगों में व्यापक आक्रोश फैल गया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह फतेहपुर पहुंच कर वाल्मीकि परिवार से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया और भाजपा सरकार को दलित विरोधी बताया।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गांधी की फतेहपुर में वाल्मीकि परिवार से मुलाकात के कुछ देर बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री राहुल गांधी जी आपको शर्म आनी चाहिए। यह आपका फोटो खिंचवाने का कार्यक्रम मात्र है।''

पोस्ट में मौर्य ने कहा कि ''सबका साथ सबका विकास सबका सम्मान और सुरक्षा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, संबंधित मामले में कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

उपमुख्यमंत्री ने राहुल पर तंज कसते हुए पोस्ट में कहा, पीड़ित परिवार की पीड़ा से आपका कोई लेना देना नहीं है। नौटंकी बंद करो, घड़ियाली आंसू बहाने वाले कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है।''

रोहित शर्मा और विराट कोहली को हर मैच में आजमाना बेवकूफी होगी : अगरकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर ने शुक्रवार को कहा कि सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का 'आकलन' होगा लेकिन प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना 'बेवकूफी' होगी।

रोहित और कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ सात महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के करीब हैं और इस तरह की अटकलें हैं कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 2027 विश्व कप से पहले इन दोनों पूर्व कप्तानों के प्रदर्शन की प्रत्येक शृंखला में समीक्षा होगी। अगरकर ने 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' के दौरान कहा, ''प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना बेवकूफाना होगा। जब वे खेलना शुरू कर देंगे तो उनका आकलन होगा लेकिन उनकी जगह खतरे में नहीं है।'' कुछ हफ्ते पहले शुभमन गिल को नया एकदिवसीय कप्तान घोषित करने के बाद अहमदाबाद में कही गई अपनी बात को दोहराते हुए अगरकर ने एक बार फिर उस टूर्नामेंट के लिए टीम के चयन पर अपनी प्रतिबद्धता से परहेज किया जो अभी दो साल दूर है।

इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, ''इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वे ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बनाते हैं तो उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाएगा और इसी तरह अगर वे ऑस्ट्रेलिया में तीन शतक बनाते हैं तो उन्हें 2027 विश्व कप के लिए चुना जाएगा।'' अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि कोहली और रोहित ने टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला स्वयं किया था और चयन समिति उनके अनुभव से खुश होती। उन्होंने कहा, ''हमें अगर कहीं अनुभव की जरूरत होती तो वह जगह इंग्लैंड होती। दोनों दिग्गज खिलाड़ी हैं और उन्होंने हमारे से संपर्क किया था। और एक बार जब उन्होंने फैसला कर लिया तो आपको उनके फैसले का सम्मान करना होगा।'' अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि मोहम्मद शमी को इंग्लैंड शृंखला के लिए इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि वह फिट नहीं थे और पिछले छह से आठ महीनों में उनकी सामान्य मैच फिटनेस ठीक नहीं रही। उत्तराखंड के खिलाफ बंगाल के रणजी ट्रॉफी मैच से पहले शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एकदिवसीय मुकाबलों के लिए नजरअंदाज किए जाने पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि अगर वह रणजी ट्रॉफी के लिए फिट हैं तो 50 ओवर का क्रिकेट भी खेल सकते थे।

अगरकर ने कहा, ''अगर शमी यहां होते तो मैं उन्हें जवाब देता। अगर वह फिट हैं तो हमारे पास शमी जैसा गेंदबाज क्यों नहीं है? मैंने उनसे कई बार बात की है। पिछले छह से आठ महीनों में हमें पता चला कि वह फिट नहीं थे। वह इंग्लैंड दौरे पर चयन के लिये फिट नहीं थे।''

त्रिपुरा में मालगाड़ी से दो करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के जिरानिया रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी से करीब दो करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह बरामदगी बृहस्पतिवार को शुरू हुए एक तलाशी अभियान के दौरान की गई, जो शाम करीब साढ़े चार बजे शुरू होकर शुक्रवार तड़के तक चला। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, ''मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए, बृहस्पतिवार को रेलवे पुलिस बल (जीआरपी), सीमा शुल्क विभाग और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने संयुक्त अभियान चलाया।'' इस दौरान पश्चिम त्रिपुरा जिले के जिरानिया रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के दो डिब्बों से 100 मिलीलीटर की 'एसकफ' नामक प्रतिबंधित कफ सिरप की 90,000 बोतलें बरामद की गईं। अधिकारियों ने बताया कि जब्त कफ सिरप की अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपए है। इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े नेटवर्क की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

सुविचार

चिकित्सा की कला में रोगी का मनोरंजन करना होता है जबकि प्रकृति रोग को ठीक करती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खुशहाली का अर्थशास्त्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी अपनाएं' का जो आह्वान किया, उसका असर दिखाई देने लगा है। इस बार लोग दीपावली मनाने के लिए स्वदेशी चीजों को प्राथमिकता दे रहे हैं। गांवों और ढाणियों से लेकर महानगरों तक स्वदेशी का दबदबा नजर आ रहा है। अयोध्या में ही कई कुम्हार परिवार दिन-रात मिट्टी के दीये बनाने में व्यस्त हैं। वे आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए अपने प्रॉडक्ट्स की गुणवत्ता को और बेहतर बना रहे हैं। इन्हें सोशल मीडिया ने बड़ा मंच दे दिया है, जिससे इनकी कला को पहचान मिली है। कुम्हार परिवारों में ऐसे प्रतिभावान लोग हैं, जिनकी मेहनत देखकर लोग चकित रह जाते हैं। किसी ने मिट्टी का ऐसा दीया बनाया है, जो रोशनी को कई गुणा बढ़ा देता है, तो किसी ने दीये पर ऐसी कलाकारी की है कि रोशनी में लक्ष्मीजी वरदान देती नजर आती हैं। मिट्टी को सुंदर कलाकृति में ढालना कोई आसान काम नहीं है। इसके लिए वर्षों तपस्या करनी पड़ती है। यह सुखद है कि अब लोग स्वदेशी का महत्त्व समझने लगे हैं। हालांकि विदेशी चीजों के प्रति आकर्षण अपनी जगह है, लेकिन स्वदेशी के साथ सबका हित जुड़ा होने का सिद्धांत जीवन में शामिल होने लगा है। हमारे सभी त्योहारों का आधार इतना अद्भुत है कि उन्हें उनकी असल भावना के साथ मनाया जाए तो सर्वसमाज में खुशहाली आ सकती है। दीपावली पर सिर्फ दीयों की बात करें तो इनसे कुम्हार परिवारों को रोजगार मिलता है। उनके अलावा कपास और तेल उद्योग से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। चूंकि इन दोनों चीजों का आधार खेती है, इसलिए किसान को भी फायदा होता है।

सोचिए, सिर्फ दीया, बाती और तेल के साथ इतने परिवारों की रोजी-रोटी जुड़ी हुई है तो कपड़े, मिठाई, क़लम, दवात, पूजन सामग्री, अनाज, जूतों, गहनों के साथ कितने लोगों की रोजी-रोटी जुड़ी होगी? हमारा एक त्योहार करोड़ों चेहरों पर समृद्धि की मुस्कान लाने की शक्ति एवं सामर्थ्य रखता है। भारत में ऐसे कितने व्रत-त्योहार और खास अवसर होते हैं? अगर हम उन सबके साथ स्वदेशी की भावना को जोड़ दें तो भारत की अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत हो सकती है! हमारे देश में हर राज्य के भी खास व्रत-त्योहार होते हैं, जिनका दायरा व्यापक होता जा रहा है। यह विविधता हमारी ऐसी शक्ति है, जिसकी ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। जो पश्चिमी देश कभी टैरिफ, तो कभी अंतरराष्ट्रीय नियमों एवं संधियों का हवाला देकर हम पर अनुचित दबाव डालने की कोशिश करते रहते हैं, उनके पास ऐसी कौनसी व्यवस्था है? भारत को स्वदेशी के दम पर ही समृद्ध और खुशहाल बनाया जा सकता है। विदेशी चीजें शुरुआत में तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन वे सर्वसमाज का भला नहीं कर सकती हैं। उन पर खर्च किया गया पैसा विदेशी व्यापारियों को समृद्ध बनाएगा, जबकि स्वदेशी पर खर्च किया गया पैसा किसी न किसी रूप में लौटकर आपके पास आएगा। अगर लोग स्वदेशी अपनाने के संकल्प को त्योहारों के बाद भी दृढ़ता से निभाएं तो बेरोजगारी को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। अगर बेरोजगारी कम हो गई तो अपराध भी कम हो जाएंगे। देश में सुख-चैन का वातावरण बन जाएगा। सरकारी नौकरी के इंतजार में वर्षों बैठे रहने से बेहतर है कि युवा कोई ऐसा हुनर सीखें, जिससे लोगों की जरूरतें जुड़ी हुई हैं। वे ईमानदारी से काम करें और सोशल मीडिया पर प्रचार करें। अब भारत में इतना बड़ा बाज़ार है कि उनके साथ कई लोगों का भला हो जाएगा।

ट्वीटर टॉक

बिहार के सोनपुर विधानसभा क्षेत्र (122) में आज श्री विनय कुमार सिंह जी की नामांकन रैली में सम्मिलित हुआ। एनडीए के प्रति विश्वास और आशीर्वाद स्पष्ट झलक रहा है। जनता का यही आशीर्वाद आने वाले दिनों में पुनः ऐतिहासिक जीत का मार्ग प्रशस्त करेगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए श्री मोरपाल सुमन जी को भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी घोषित किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपकी कुशल नेतृत्व क्षमता, समर्पण और जनसेवा का भाव आपको प्रचंड और ऐतिहासिक विजय दिलाएगा।

-भजनलाल शर्मा

अंता विधानसभा उपचुनाव हेतु भाजपा प्रत्याशी के रूप में मोरपाल सुमन की घोषणा होने पर उन्हें बधाई एवं विजय श्री की अग्रिम मंगलकामनाएं हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके मजबूत नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण के बल पर भाजपा अंता में विजय प्राप्त करेगी।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सद्गुणों में लक्ष्मी वास

देवलोक में सहसा लक्ष्मी को आया देख देवगण अचंभित रह गए। देवराज इन्द्र ने उनकी अगवानी करते हुए पूछा, 'भगवती, आप तो चिरकाल से असुरों के यहां निवास कर रही थीं, आज देवों पर यह कृपा कैसी?' लक्ष्मी मुस्कराकर बोलीं, 'देवराज, मैं सदैव घूमती रहती हूं, एक स्थान पर टिकना मुझे प्रिय नहीं।' एक देवता ने जिज्ञासा से पूछा, 'तो क्या आप पुनः देवलोक छोड़कर अन्यत्र चली जाएंगी?' लक्ष्मी बोलीं, 'यह भी संभव है।' इन्द्र ने कहा, 'महादेवी, आपको एक स्थान पर रहने में क्या आपत्ति है? क्या इस विचरण में कोई रहस्य या नियम है?' लक्ष्मी ने उत्तर दिया, 'रहस्य नहीं, यह मेरा नियम है।' वरुण देव ने निवेदन किया, 'कृपया वह नियम बताइए, ताकि हम उसका पालन कर आपको प्रसन्न रख सकें।' लक्ष्मी बोलीं, 'देवगण, जब तक आप संयमी, सदाचारी, दयालु, परिश्रमी, चरित्रवान और मधुरभाषी थे, तब तक मैं स्वर्ग में थी। जब आपने ये गुण त्याग दिए, तो मैं असुरों के पास चली गई क्योंकि उन दिनों उनमें ये सद्गुण विद्यमान थे। परंतु जब वहां भी इन गुणों का ह्रास हुआ, तो मैं उन्हें छोड़कर यहां आ गई।

सामयिक

फांसी या इंजेक्शन : मृत्युदंड पर सुप्रीम बहस

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारत के न्यायिक इतिहास में यह प्रश्न पहली बार गंभीरता से उठाया जा रहा है कि क्या फांसी से दी जाने वाली मृत्युदंड की सजा अब भी हमारे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका ने इस प्रश्न को पुनः प्रासंगिक बना दिया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया है कि फांसी देना एक क्रूर, अमानवीय और लंबा खिंचने वाला तरीका है, जिसमें दोषी को अनावश्यक पीड़ा होती है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि जब आधुनिक वैज्ञानिक तरीके उपलब्ध हैं, जैसे घातक इंजेक्शन या गोली मारना, तो किसी व्यक्ति को घंटों तक पीड़ा में झुलसने के लिए छोड़ देना न्याय नहीं, बल्कि प्रतिशोध है।

भारत में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 354(5) में प्रावधान है कि मृत्युदंड केवल फांसी देकर दिया जाएगा। यह प्रावधान औपनिवेशिक युग की एक देन है, जो आज़ादी के बाद भी जस का तस चला आ रहा है। परंतु संविधान के अनुच्छेद 21 में यह कहा गया है कि किसी व्यक्ति को उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से केवल विधि द्वारा वंचित किया जा सकता है। इस अनुच्छेद की व्याख्या करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार यह माना है कि जीवन का अधिकार केवल जीने का ही नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीने का अधिकार भी है। इसी सिद्धांत का विस्तार करते हुए अब यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि यदि किसी व्यक्ति को मृत्युदंड दिया ही जाना है, तो क्या उसे सम्मानपूर्वक मरने का अधिकार नहीं होना चाहिए?

फांसी देने की प्रक्रिया अपने आप में अत्यंत भयावह है। जब दोषी को फंदे पर चढ़ाया जाता है, तो अक्सर मौत तत्काल नहीं होती। कई बार गर्दन टूटने की बजाय सांस रुकने से धीरे-धीरे मृत्यु होती है, जो 30 से 40 मिनट तक खिंच सकती है। इस बीच शरीर झटके खाता है, आँखें बाहर निकल आती हैं, और पीड़ा असहनीय होती है। इसके विपरीत घातक इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीके वैज्ञानिक रूप से कम पीड़ादायक और त्वरित माने जाते हैं। अमेरिका के अधिकांश राज्यों ने फांसी को समाप्त कर दिया है और अब लगभग सभी जगह घातक इंजेक्शन का ही उपयोग होता है। सेना में भी कुछ परिस्थितियों में दोषी को यह विकल्प दिया जाता है कि वह गोली से मरना चाहता है या किसी अन्य तरीके से। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता शामिल हैं, ने भी टिप्पणी की कि फांसी एक बहुत पुरानी प्रक्रिया है, जबकि दुनिया आगे बढ़ चुकी है। अदालत ने कहा कि भारत को यह देखना चाहिए कि अन्य देश अपने न्यायिक तंत्र में किस तरह मानवीय दृष्टिकोण ला रहे हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि जब दुनिया के अधिकांश देश मृत्युदंड के तरीकों को मानवतावादी बना रहे हैं, तो भारत क्यों नहीं? साथ ही यह भी पूछा गया कि 2023 में जिस समिति के गठन पर विचार हुआ था, जो वैकल्पिक तरीकों पर अध्ययन करने वाली थी, उसका क्या हुआ।

केंद्र सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सोनिया माथुर ने अदालत को बताया कि मृत्युदंड का तरीका बदलना एक नीतिगत निर्णय है, और यह अदालत के दायरे में नहीं आता। उनका कहना था कि दोषियों को फांसी या इंजेक्शन में से एक विकल्प देना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है। सरकार का यह भी तर्क है कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहाँ न्यायिक प्रक्रिया पहले से लंबी और जटिल है, वहाँ इस तरह का विकल्प देना और उसका प्रशासनिक प्रबंधन करना अत्यंत कठिन होगा।

मगर सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कठिनाई का हवाला देकर किसी व्यक्ति को क्रूर मृत्यु दी जा सकती है? संविधान में जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को सर्वोच्च माना गया है। यदि सम्मानजनक जीवन का अधिकार मौलिक अधिकार है, तो उसका तार्किक विस्तार सम्मानजनक मृत्यु का अधिकार भी होना चाहिए। भारत में 'कॉमन कॉज बनाम भारत संघ' (2018) के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने मृत्यु में गरिमा को स्वीकार किया था, जब उसने इच्छामृत्यु को सीमित रूप में मान्यता दी थी। तब अदालत ने कहा था कि मनुष्य को यह अधिकार है कि वह अपने जीवन का अंत सम्मानजनक तरीके से करे। यही सिद्धांत मृत्युदंड की प्रक्रिया पर भी लागू होता है। यदि राज्य किसी व्यक्ति का जीवन लेने का निर्णय करता है, तो उसे यह कर्तव्य भी निभाना चाहिए कि वह ऐसा मानवीय तरीके से करे।

मृत्युदंड को लेकर दुनिया में दो धाराएँ हैं। एक यह कि इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए क्योंकि यह राज्य द्वारा हिंसा का वैध रूप है। दूसरी धारणा यह मानती है कि कुछ अपराध इतने जघन्य होते हैं कि मृत्युदंड आवश्यक है, परंतु उसका तरीका मानवीय होना चाहिए। भारत इस बहस के दूसरे छोर पर खड़ा है – जहाँ मृत्युदंड बरकरार है, पर उसके तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। यह बहस केवल दंड के स्वरूप की नहीं, बल्कि हमारे सभ्य समाज की उस संवेदनशीलता की परीक्षा भी है जो संविधान के मूल में निहित है।

अदालत में यह भी तर्क दिया गया कि यदि अमेरिका जैसे देश, जिनकी न्यायिक प्रणाली जटिल और संघीय है, 49 राज्यों में घातक इंजेक्शन का प्रयोग कर सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं कर सकता? वहाँ भी अपराधी को एक सीमित विकल्प दिया जाता है, जिससे उसकी मानसिक पीड़ा कम हो। यह व्यवस्था दोषी के अधिकारों की रक्षा करती है, जबकि सजा का उद्देश्य भी पूरा करती है। आखिरकार, मृत्युदंड का मकसद व्यक्ति को अत्याचारपूर्वक मारना नहीं, बल्कि न्यायिक निर्णय का पालन कराना है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल केंद्र से यह स्पष्ट करने को कहा है कि 2023 में बनी समिति की स्थिति क्या है और सरकार का इस दिशा में क्या दृष्टिकोण है। मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर 2025 को होगी। यह सुनवाई इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तय करेगी कि क्या भारत में दंड की प्रक्रिया को मानवीय बनाने की दिशा में कोई कदम उठाया जा सकता है।

यह मामला दरअसल भारत के न्याय और मानवता दोनों के बीच संतुलन की खोज का प्रतीक है। राज्य का दायित्व केवल अपराध को दंडित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि दंड देते समय वह अपनी नैतिक और संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन न करे। मृत्यु चाहे न्याय का परिणाम हो, परंतु उसे अमानवीयता का प्रतीक नहीं बनना चाहिए। यदि हम एक ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जहाँ जीवन का सम्मान सर्वोच्च है, तो मृत्यु भी उतनी ही गरिमापूर्ण होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह याचिका केवल दोषियों के अधिकारों की नहीं, बल्कि हमारी न्याय व्यवस्था के संवेदनशील होने की कसौटी है। शायद यही समय है जब भारत यह निर्णय करे कि न्याय और करुणा साथ-साथ चल सकते हैं या नहीं।

नजरिया

त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स कंपनियों की बल्ले-बल्ले

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

त्योहारी सीजन में बाजार ने तूफानी तेजी पकड़ रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा तेजी ऑनलाइन बाजार में ही दिखाई पड़ रही है। आज जिसे देखो वह ऑनलाइन बाजार से खरीददारी के लिए व्यस्त है। इसमें ग्राहक और कंपनियों दोनों का फायदा भी हो रहा है। ग्राहक को घर बैठे मनपसंद सामान मिल रहा है तो वहीं कंपनियों के सामने के लिए एक बहुत बड़ा मार्केट भी बन रहा है। एक लोकल सर्वे ने ऑनलाइन शॉपिंग को लेकर सर्वे किया था जिसमें अधिकांश लोगों ने बताया था कि उन्होंने ऑनलाइन शॉपिंग को चुना है। इससे बाजार की भीडभाड से भी राहत मिल रही और लोगों के सामने विकल्प चुनने के भी की ब्रॉड मौजूद थे। इसीलिए विदेशों की तर्ज पर भारत में भी ऑनलाइन शॉपिग तेजी से बढ़ रही है। देश में इ-कॉमर्स का बाजार इन दिनों अपनी बूम पर है। यह सच है, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर कई प्रकार की मनभावक छूट, ऑफर और घर बैठे डिलीवरी की सुविधा मिलती है, यह भी सही है, ऑनलाइन खरीदारी में समय और ऊर्जा की बचत होती है, परंतु नकली प्रोडक्ट्स और डिलेवरी की दिक्कतें भी आम हैं। अब ग्राहकों को सावधानी तो रखनी ही होगी अन्यथा सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

त्योहार के सीजन में लगभग 70 करोड़ ग्राहक बाज़ारों में ख़रीदारी करते हैं और जहां 500 रुपये या उससे कम ख़रीदारी करने वाले लोग हैं वहीं हज़ारों और लाखों रुपये खर्च करने वालों की भी कमी नहीं है और इसीलिए देश में त्योहारी सीजन की महत्ता व्यापार की दृष्टि से बेहद ही महत्वपूर्ण है। त्योहारों पर जिस तरह से विभिन्न प्रकार की चीजों की बिक्री से बाजार गुलज़ार हो रहा है उससे साफ अंदाजा लगा सकते हैं कि आने वाले सभी त्योहारों पर खरीदारी के लिए ग्राहक मन बना चुके हैं।

लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंच रहे हैं। दुकानें ग्राहकों से गुलजार होने लगी है। बाजारों में चहल पहल व भीड़-भाड़ देखने को मिल रही है। ऑनलाइन शॉपिंग की तरफ लोगों का रुझान बढ़ा हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि बाजार में खरीदारी करने वालों की भीड़ बढ़ रही है और आने वाले दिनों में कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी सीजन से इलेक्ट्रॉनिक, कपड़ा, ऑटो मोबाइल, सराफा बाजार में ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की बढ़ती संख्या से न केवल इन स्थलों की रौनक बड़ रही है बल्कि अच्छा कारोबार होने से कारोबारियों के चेहरों पर चमक देखने को मिल रही है। यह त्योहारी सीजन हालाँकि महंगाई की मार से उपभोक्ताओं को राहतभरा नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ऑनलाइन और ऑफलाइन प्लेटफॉर्म पर करीब छह लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है, जिसमें ऑनलाइन पर 1.20 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है, जो हमारे देश की जीडीपी का 3.2 प्रतिशत आंका गया है। नामी गिरामी ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सीज़न और जीएसटी में हालिया बदलाव का फायदा उठाना भी शुरू कर दिया है। उन्होंने पहले ही डिस्काउंट ऑफर देने शुरू कर दिए थे। कई कंपनियों के विज्ञापन में 50 से 80 प्रतिशत डिस्काउंट का वादा किया है। अनुसंधान फर्म डेटम इंटेलिजेंस' की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में जीएसटी दरों को आमजन के अनुकूल बनाने से इस साल त्योहारी बिक्री 27 प्रतिशत से बढ़कर 1.20 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, क्योंकि टैक्स स्लैब को कम करने से कई जरूरी उत्पादों की कीमत में भारी कमी आई है, जिससे बिक्री में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की आशा है।

नई जीएसटी व्यवस्था में अब सिर्फ 5 और 18 प्रतिशत के 2 टैक्स स्लैब रखे गए हैं और कुछ दरों को पूरी तरह से हटा दिया गया है, जिससे ग्राहकों को 10 प्रतिशत तक की बचत होने का अनुमान है। नई जीएसटी व्यवस्था में टीवी, एसी, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स पर विशेष तौर पर बचत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक विगत तीन वर्षों में पहली बार शहरी उपभोक्ताओं के खर्च में वृद्धि देखी गई है। सिर्फ जुलाई महीने में 37.6 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने अपने गैर-जरूरी खर्च में वृद्धि की है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने बीते महीने एक सर्वे करवाया था, जिसके अनुसार इस साल सिर्फ रक्षा बंधन, गणेश पूजा, नवरात्रि और दिवाली के दौरान लगभग 4.80 लाख करोड़ रुपए के ऑफलाइन कारोबार होने का अनुमान है। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। अधिकृत प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। बैंक स्टेटमेंट और पासवर्ड सुरक्षा सुनिश्चित करें। कैश ऑन डिलीवरी अपनाएँ और फर्जी ऑफर्स से बचें। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

नजरिया

चलो इस बार दीपोत्सव पर उत्तरदायित्व के दीये जलाएं

डॉ. मनमोहन प्रकाश

श्रीराम की लंका-विजय के उपरांत से ही हम भारतीय दीपों की ज्योति, मिठाइयों की मिठास और रिश्तों की गर्माहट में पाँच दिवसीय दीपोत्सव मनाते आ रहे हैं। सदियों से यह पर्व केवल धार्मिक उल्लास नहीं, बल्कि आत्मिक चेतना, पारिवारिक एकता और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। किंतु बदलते समाज में यह उत्सव कई बार केवल दिखावे, उपभोग और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बन गया है। जब एक ओर रोशनी से सजे भवन झिलमिलाते हैं, तो दूसरी ओर अनेक घर अभाव और अंधकार में डूबे रहते हैं। यही वह क्षण है जब हमें सोचना चाहिए-क्या दीपोत्सव केवल उत्सव है, या यह हमारे सामाजिक उत्तरदायित्व की भी पुकार है?

आर्थिक असमानता का यह प्रश्न हर दीपावली पर समाज के विवेक को झकझोरता है। बहुत-से शिक्षित और परिश्रमी युवा अवसरहीनता, भाई-भतीजावाद या जनसंख्या-दबाव के कारण स्थायी रोजगार से वंचित रह जाते हैं। उनके लिए दीपोत्सव का अर्थ केवल दूसरों की जगमगाहट तक सीमित रह गया है। इस स्थिति में जो लोग समर्थ हैं, उनका प्रथम कर्तव्य है कि वे दीपावली के वास्तविक अर्थ को समझें। दीप जलाने का उद्देश्य केवल अपने घर को नहीं, बल्कि आसपास के अंधकार को मिटाना भी है। मेरी ऐसी कामना है कि इस वर्ष का दीपोत्सव एक नया संदेश दे कि हर दीप केवल प्रकाश नहीं,

एक दायित्व भी है। इसलिए, दीयों के साथ पर्यावरण-संवेदनशीलता, सामाजिक साझेदारी और स्वदेशी भावना की लौ भी जलाएँ। यह समय है जब भारत को केवल जश्न नहीं, जिम्मेदारी चाहिए। आज आवश्यकता है कि हम दीपावली को पर्यावरण-अनुकूल बनाएं। यथा क्षमता तेल, घी या मोम के दीये जलाकर पारंपरिक ज्योति को पुनर्जीवित करें; 'ग्रीन पटाखों' का उपयोग करें, ताकि वायु में आनंद रहे, धुआँ नहीं।साज-सज्जा में भारतीय कारीगरों द्वारा निर्मित मिट्टी के दीप, झालरें, मूर्तियाँ और हस्तनिर्मित उपहार अपनाएँ। यह न केवल देशी शिल्पकारों का सम्मान होगा, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सार्थक कदम भी।

जब आपके घर जगमगा रहे हों, तब यह भी देखें कि कहीं किसी झोपड़ी में अंधकार न हो। इस दीपावली पर किसी निर्धन की झोपड़ी में दीप जलाइए, किसी अनाथालय या वृद्धाश्रम में मिठाई और मुस्कान बाँटिए, और फुटपाथ पर बैठे छोटे दुकानदार से भी खरीददारी कीजिए। यही वह क्षण होगा, जब दीपोत्सव उत्सव से उत्तरदायित्व की ओर बढ़ेगा। भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में स्वदेशी उत्पादों का उपयोग केवल देश की आर्थिक उन्नति के लिए आवश्यक नहीं, अपितु राष्ट्रीय उत्तरदायित्व भी है। इसलिए 'लोकल फॉर वोकल' का संदेश दीपावली में गूँजना चाहिए, क्योंकि हर भारतीय उत्पाद खरीदना एक शिल्पकार के जीवन में आशा का दीप जलाना है।

दीपावली केवल रोशनी का नहीं, मन और समाज में प्रकाश फैलाने का भी प्रतीक है। टूटे रिश्ते जोड़ें, रूठे परिजन और मित्र को मनाएँ, आस-पड़ोस वालों को मित्र बनाएँ, और समाज में प्रेम, सौहार्द व एकता की ज्योति प्रज्वलित करें। सच्चा दीपोत्सव वही है जो हमारे भीतर के अंधकार को मिटाए और करुणा, विनम्रता तथा सहयोग का प्रकाश फैलाए। इस पर्व को स्मरण का अवसर भी बनाइए-उन वीर जवानों के लिए जिन्होंने सीमा पर राष्ट्र की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनके नाम का एक दीप केवल श्रद्धांजलि नहीं, हमारे कर्तव्यों की याद है। उसी प्रकार, एक दीप उन निर्दोष नागरिकों के लिए भी जलाएँ जो आतंकवाद, नक्सलवाद या अपराध की विभीषिका में काल के गाल में समा गए। शायद इस प्रकाश से समाज के भीतर न्याय, संवेदना और आत्ममंथन की नई ज्योति जले। अंततः यह कहना उचित होगा कि दीपोत्सव का अर्थ केवल दीपों की कतार नहीं, बल्कि चेतना की श्रृंखला है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज, पर्यावरण और राष्ट्र के प्रति हमारा हर छोटा योगदान एक बड़ी रोशनी बन सकता है। जब सभी भारतीय अपने कर्म, विचार और संवेदना से यह दीप जलाएँगे, तब ही यह पर्व वास्तव में उत्सव से उत्तरदायित्व की ओर बढ़ेगा और भारत की संस्कृति अपने प्रकाश से पुनः आलोकित होगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दिवंगत गायक ज़ुबीन गर्ग की सिंगापुर में हुई मौत में कथित रूप से शामिल गायक अमृतप्रभा महंत (मध्य) को असम के गुवाहाटी में सुनवाई के लिए सीजेएम कोर्ट लाया गया।

जुबिन गर्ग के सम्मान में असम में 'ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म फेस्टिवल' स्थगित

गुवाहाटी/भाषा

'ब्रह्मपुत्र वैली फिल्म फेस्टिवल' (बीवीएफएफ) के 10वें संस्करण को स्थगित कर दिया गया है क्योंकि गायक जुबिन गर्ग के निधन पर असम शोक मना रहा है। आयोजकों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह फेस्टिवल चार से सात दिसंबर के बीच आयोजित होने वाला था अब इसका आयोजन 2026 में किया जाएगा। फेस्टिवल की निदेशक तनुश्री हजारिका ने कहा कि गर्ग का निधन सिर्फ असम के लिए ही क्षति नहीं है बल्कि हर उस व्यक्ति की क्षति है, जिसने उनकी कला के माध्यम से अपनी लय और पहचान पाई। उन्होंने कहा, जुबिन गर्ग एक संगीतकार, फिल्म निर्माता और मानवतावादी थे, जिनकी आवाज और दृष्टि ने पीढ़ियों को परिभाषित किया। वह सिर्फ एक कलाकार नहीं थे, वह एक भावना थे, जिसने पूर्वोत्तर और उससे बाहर के लोगों को एकजुट किया। उन्होंने कहा, इस भूमि और इसके लोगों से जुड़े एक फेस्टिवल के रूप में जब हमारी संस्कृति का हृदय शोक में डूबा हो तो जश्न मनाना उचित नहीं लगता। इस वर्ष, हम उन्हें याद करने, चिंतन करने और उनके सम्मान में रुकते हैं। हजारिका ने कहा कि यह निर्णय फेस्टिवल के आंतरिक हितधारकों, सलाहकारों और कोर टीम के साथ सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श व चर्चा के बाद लिया गया, जिनमें से सभी जुबिन को खोने के दुख को साझा करते हैं।

फेस्टिवल की क्रिएटिव डायरेक्टर पल्लवी चुमकी बरुआ ने कहा, हम अपने फिल्म निर्माताओं, साझेदारों और दर्शकों के प्रति उनकी समझ और बीवीएफएफ के प्रति निरंतर समर्थन के लिए बहुत आभारी हैं, जो रचनात्मकता, समुदाय और हमें एक साथ लाने वाली कहानियों का जश्न मनाता है। महोत्सव के तकनीकी निदेशक समुज्जल कश्यप ने कहा कि बीवीएफएफ का 10वां संस्करण एक मील का पत्थर साबित होगा, लेकिन अभी यह चिंतन का समय है।

अमरसूर्या की यात्रा के बाद कॉलेज को भारत-श्रीलंका के बीच शैक्षणिक सहयोग बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली/भाषा। नब्बे के दशक की शुरुआत में जब भारत में उदारीकरण की नई हवा चल रही थी, स्मार्टफोन का कोई नामो-निशान नहीं था। ऐसे समय में श्रीलंका की एक युवा छात्रा ने अपने सपनों, उम्मीदों और थोड़ी सी झिझक के साथ हिंदू कॉलेज की चौखट पर कदम रखा।

बृहस्पतिवार को वही छात्रा हरिनी अमरसूर्या एक राजकीय काफिले के साथ जब हिंदू कॉलेज पहुंचीं तो यह कॉलेज के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बन गया। अमरसूर्या अब श्रीलंका की प्रधानमंत्री हैं, और कॉलेज ने अपनी पूर्व छात्रा के आगमन को दोबारा घर लौटने जैसा बताया। वर्षों पहले जिस संस्थान में अमरसूर्या ने एक छात्रा के रूप में कदम रखा था, आज वहीं उनका स्वागत राष्ट्राध्यक्ष की गरिमा के साथ हुआ। अमरसूर्या ने दिल्ली विश्वविद्यालय के इस विशाल परिसर में दो घंटे से अधिक समय बिताया, लेकिन उनके लिए सबसे भावुक क्षण तब आया जब वह कक्षा संख्या-27 में गईं- यह वही कमरा है जहां तीन दशक पहले उन्होंने समाजशास्त्र की पढ़ाई करते हुए अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष गुजारे थे। इस कॉलेज में 1991 से 1994 तक पढ़ाई करने वालीं अमरसूर्या ने अपने पुरानी बेंच पर बैठकर अपने कॉलेज दिनों की यादें ताजा कीं, जैसे वक्त कुछ पलों के लिए ठहर गया हो। प्राचार्या अंजू श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री अमरसूर्या का स्वागत किया और पूरे दौरे के दौरान उनके साथ रहीं। उन्होंने इस अवसर को कॉलेज के लिए ''गौरवपूर्ण क्षण'' और ''एक ऐतिहासिक उपलब्धि'' बताया। श्रीवास्तव ने विश्वास जताया कि लगभग 126 साल पुराने इस संस्थान के लिए यह सिर्फ एक पूर्व छात्रा की वापसी नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के एक नए केंद्रबिंदु की शुरुआत भी हो सकती है। हिंदू कॉलेज की प्राचार्या अंजू श्रीवास्तव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि कॉलेज श्रीलंका के साथ एक आदान-प्रदान कार्यक्रम और शोध सहयोग की इच्छा रखता है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर उन्होंने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से अपनी बातचीत के दौरान चर्चा की।

श्रीवास्तव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमने इस बारे में उनसे (अमरसूर्या) बात की है। इसकी विस्तृत जानकारी बाद में दी जाएगी, लेकिन दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान कार्यक्रम और शोध सहयोग को लेकर हम उनके साथ बातचीत शुरू कर रहे हैं।''

श्रीवास्तव ने कहा, ''पहले भी हमने उन्हें (अमरसूर्या) एक प्रस्ताव भेजा था, जिस पर उन्होंने गंभीरता से विचार करने की बात कही है।''

संगानेरिया सभागार में अमरसूर्या का जोरदार स्वागत किया गया और एनसीसी कैडेटस ने 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। छात्रों को संबोधित करने के बाद अमरसूर्या अपनी पुरानी कक्षा में पहुंचीं। वहां उन्होंने शिक्षकों और कुछ वर्तमान छात्रों से बातचीत की।

आत्मसमर्पण

छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले के जगदलपुर स्थित पुलिस लाइन में आत्मसमर्पण के बाद नक्सली भारतीय संविधान की प्रतियाँ थामे हुए हैं।

मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट के बाद कर्नल रांद्रियनिरीना ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली

अंतानानारिवो (मेडागास्कर)/एपी

मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट के तीन दिन बाद सेना के एक कर्नल ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली, जिसके कारण सत्ता से बेदखल राष्ट्रपति को देश छोड़कर छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा। कर्नल माइकल रांद्रियनिरीना (सेना की एक विशेष इकाई के कमांडर) ने देश के उच्च संवैधानिक न्यायालय की मुख्य सभा में आयोजित समारोह में पद की शपथ ली। उनका यह पद ग्रहण समारोह ऐसे समय हुआ है जब उन्होंने केवल तीन दिन पहले घोषणा की थी कि सशस्त्र बल हिंद महासागर के लगभग तीन करोड़ जनसंख्या वाले इस द्वीपीय देश की सत्ता संभालने जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने इस सैन्य तख्तापलट को असंवैधानिक सत्ता परिवर्तन करार देते हुए इसकी निंदा की है। हालांकि, कई अन्य देशों ने अहम प्रतिक्रियाएं व्यक्त की हैं जिनमें मेडागास्कर पर पूर्व में शासन कर चुका फ्रांस भी शामिल है।

इस तख्ता पलट के कारण मेडागास्कर को अफ्रीकी संघ से निलंबित किया जा रहा है। तीन महीने से जारी लोगों खासकर युवाओं के सरकार विरोधी आंदोलन के बाद यह तख्ता पलट हुआ। राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना का कोई अता-पता नहीं है, क्योंकि उन्होंने रांद्रियनिरीना के वफादार सैनिकों के विद्रोह के बाद अपनी जान को खतरा बताते हुए देश छोड़ दिया था। बताया जाता है कि वे एक फ्रांसीसी सैन्य विमान से देश से बाहर चले गए। उनकी अनुपस्थिति में मंगलवार को संसद में राजोइलिना के खिलाफ महाभियोग पर मतदान किया गया। इसके ठीक बाद कर्नल द्वारा सेना के सत्ता में आने की घोषणा की गई थी।

गैंगस्टर रवि पुजारी के गुर्गे ने फिल्म प्रोड्यूसर-एक्टर मुकेश भारती को दी धमकी, एफआईआर दर्ज

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई की प्रोड्यूसर मंजू मुकेश भारती (विवेक फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस) और उनके पति, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' फेम एक्टर मुकेश जे. भारती को गैंगस्टर रवि पुजारी के गुर्गे से धमकी मिली है।मंजू और मुकेश ने मुंबई के वर्सोवा पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज कराई है, जबकि गाजियाबाद पुलिस भी आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। आरोपी ने खुद की पहचान गाजियाबाद के सतेंद्र त्यागी के रूप में बताई, जो पहले भी कई लोगों को झूठे मुकदमों और वसूली के जरिए ब्लैकमेल कर चुका है।

प्रोड्यूसर मंजू मुकेश भारती ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, हम फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं, हम क्रिमिनल्स के लिए सॉफ्ट टार्गेट होते हैं। अपराधी हमें आराम से धमका सकते हैं, लेकिन हमने इसके खिलाफ आवाज उठाई है। एक शख्स मुझे कई दिनों से धमका रहा था।

वह मुझे और मेरे पति को मारने की धमकी दे रहा था। वह मेरे बच्चों को किडनैप करने की बात कह रहा था। मैंने मुंबई के वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने कहा, अब ये 20 साल पुराना दौर नहीं रहा, अब सीएम योगी और पीएम मोदी का राज है। पीएम मोदी के राज में महिलाएं सुरक्षित हैं। मेरी पुलिस और सरकार से मांग है कि ऐसे आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। अभिनेता मुकेश भारती ने कहा, एक सत्येंद्र त्यागी नाम का शख्स है, उसने मुझे धमकी दी है कि अगर आप यूपी में कहीं भी शूटिंग करते हैं तो आपको जान से मार दिया जाएगा। वह खुद को रवि पुजारी गैंग का आदमी बताता है। इसके खिलाफ मैंने वर्सोवा पुलिस स्टेशन में एफआईआर कराई है। मुंबई पुलिस ने मुझे सुरक्षा देने का वादा किया है।

मैंने गाजियाबाद पुलिस स्टेशन में भी उस शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वह हमें धमका रहा है कि अगर हमने रंगदारी नहीं दी तो हमें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। मंजू भारती ने अपनी कई फिल्मों की शूटिंग उत्तर प्रदेश में की है, जिनमें 'मौसम इकरार के,' 'दो पल प्यार के,' और 'प्यार में थोड़ा ट्विस्ट' शामिल हैं। उनका कहना है कि वह अपनी एक फिल्म की शूटिंग यूपी में करने वाली थीं, लेकिन इसी बीच धमकी दी गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में एंट्री के साथ सामने आया खेसारी लाल यादव का दबंग अवतार, रिलीज किया नया गाना

नई दिल्ली/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सिंगर और एक्टर खेसारी लाल यादव कल से ही सुर्खियों में छाए हुए हैं।सिंगर ने बिहार विधानसभा चुनाव में एंट्री मारते हुए राजद ज्वाइन कर ली है। उन्होंने अकेले नहीं बल्कि अपनी पत्नी चंदा सिंह के साथ पार्टी का दामन थामा है और छपरा से चुनावी मैदान में उतरेंगे। पहले खबरें थीं कि उनकी पत्नी चंदा सिंह चुनाव लड़ेंगी, लेकिन अब उस सीट से खेसारी लाल यादव चुनाव लड़ने वाले हैं। इसी बीच उनका नया गाना रिलीज हो गया है। गुरुवार को राजद में एंट्री के बाद खेसारी लाल यादव अब अपने लेटेस्ट सॉन्ग से धमाल कर रहे हैं। उनका नया गाना जियो-जियो खेसारी रिलीज हो गया है। खेसारी लाल यादव को टैग करते हुए रॉकेट रील ने नए गाने की

झलक डाली है, जिसमें खेसारी को एआई की मदद से फिल्माया गया है। गाने के बोल भी बहुत धाकड़ हैं, जिसमें कहा गया है- जब अन्याय सिर उठाता है तो मैं दीवार बन जाता हूं, और जब अपने रोते हैं तो मैं हथियार बन जाता हूं। छोटे से सॉन्ग क्लिप में खेसारी को भगवान शिव के सामने आराधना करते दिखाया गया है और उनका अलग ही स्वैग देखने को मिल रहा है। सॉन्ग को जोश, ताकत और भावनाओं का मेल बताया गया है। गाने के कैप्शन में लिखा गया है जियो जियो खेसारीएक ऐसा गाना जो जोश, ताकत और भावनाओं का जश्न मनाता है। बता दें कि गाने को खेसारी लाल यादव और दानिश सबरी ने मिलकर गाया है। गाना फैंस के बीच आते ही छा गया था और अभी फैंस सिंगर को चुनाव जीतने की बधाई दे रहे हैं।

'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' में दूल्हे के रोल में दिखेंगे संजय मिश्रा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता संजय मिश्रा की नई फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का अनाउंसमेंट हाल ही में हुआ था। इस फिल्म में वह एक दूल्हे के रोल में दिखाई देंगे।ऐसा दूल्हा जो दूसरी बार शादी करने वाला है और शादी के लिए लड़की वालों को दहेज तक देने को तैयार है। गुरुवार को संजय मिश्रा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, दुल्हन मिल गई है, अब तैयार हो जाइए क्योंकि बारात जल्द ही आने वाली है, आपके नजदीकी या थोड़ी दूर सिनेमाघरों में। इस पोस्टर में महिमा चौधरी को दुल्हनिया के रूप में दिखाया गया है, जबकि संजय मिश्रा उनकी तस्वीर लिए बैठे दिख रहे हैं। संजय मिश्रा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि यह किरदार उनके लिए क्यों खास है।

अभिनेता ने कहा, दुर्लभ प्रसाद एक ऐसा किरदार है जिसे आप उसकी सादगी और मासूमियत के लिए पसंद करेंगे। इमोशन के साथ कॉमेडी हमेशा खास होती है, और इस फिल्म में दोनों ही भरपूर हैं। मैं दर्शकों को इस अनोखे दूल्हे और उसके अनोखे सफर से रूबरू कराने के लिए उत्साहित हूं। वहीं, फिल्म के निर्माता एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन ने बताया कि इस फिल्म की कहानी ऐसी है जो दर्शकों को हंसाने के साथ ही सोचने को भी मजबूर कर देगी। इसमें एक गहरा सामाजिक

संदेश भी छिपा है। इससे पहले फिल्म की घोषणा करते हुए एक पोस्ट में संजय मिश्रा ने लिखा था, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की जिंदगी में प्यार भर दे। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' में महिमा चौधरी, पलक लालवानी, प्रवीण सिंह सिसोदिया, और श्रीकांत वर्मा जैसे कलाकार भी हैं। एका एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म में एक ऐसे बेटे की कहानी है जो विधुर पिता की दूसरी शादी करवाना चाहता है। इस फिल्म को सिद्धांत राज सिंह ने डायरेक्ट किया है।

डीजल में अभिनय करना शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था : हरीश कल्याण

मुंबई/एजेन्सी

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे हरीश कल्याण की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर 'डीजल' 17 अक्टूबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में हरीश ने पहली बार एक एक्शन हीरो का किरदार निभाया है। इस फिल्म का निर्देशन शन्मुगम मुथुसामी ने किया है। एक इंटरव्यू में हरीश कल्याण ने बताया कि 'डीजल' में काम करना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ था।

हरीश कल्याण ने कहा, निर्देशक शन्मुगम मुथुसामी की रिसर्च और डिटेलिंग ने मुझे हैरान कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट की गहराई ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे। पेट्रोल और डीजल हर किसी की जिंदगी से जुड़े हैं, और सोने से ज्यादा वैल्यूएबल कच्चा तेल, जिसे 'ब्लैक गोल्ड' कहते हैं, दुनिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रिसोर्स है। हम रोज पेट्रोल पंप जाते हैं, लेकिन कच्चे तेल की उस डार्क वर्ल्ड के बारे में शायद ही सोचते हैं। 'डीजल' उसी दुनिया को एक्सप्लोर करेगी।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म ग्लोबल ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और अनोखा एक्सपीरियंस लेकर आएगी। इसे गहराई और पर्पज के साथ क्राफ्ट किया गया है, और बड़े स्केल पर प्रोड्यूस किया गया है। हमने क्रिएटिव रिस्क लिए हैं जो कुछ अलग लेवल के हैं। दुनिया की सबसे बिजी लोकेशन्स पर शूटिंग करना सच में एक बड़ा चैलेंज था, लेकिन साथ ही एक्साइटिंग भी। बताया जा रहा है कि अभिनेता हरीश कल्याण ने इस रोमांचक थ्रिलर पर बड़ा दांव लगाया है। इसमें वह पहली बार एक्शन करते दिखाई देंगे। हरीश ने कहा, डीजल शारीरिक और मानसिक रूप से दोनों ही तरह से चुनौतीपूर्ण था। गानों और जबरदस्त एक्शन सीन्स तक, हर चीज के लिए काफी मेहनत की जरूरत थी। लेकिन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद मुझे काफी संतुष्टि का अहसास हुआ। अगर दर्शक मुझे एक्शन के क्षेत्र में अपनाते हैं, तो इस शैली में मेरे लिए और फिल्मों के दरवाजे खुलेंगे। 'डीजल' का निर्माण थर्ड आई एंटरटेनमेंट और एसपी सिनेमाज ने किया है। शन्मुगम मुथुसामी ने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म में हरीश कल्याण, अतुल्य रवि, विनय राय, साई कुमार, बोस वेंकट, रमेश थिलक, काली वेंकट, विवेक प्रसन्ना, सचिन खेडेकर, जाकिर हुसैन और अपूर्व सिंह जैसे कलाकार हैं।

फिल्म 'दि ताज स्टोरी' का ट्रेलर हुआ जारी

मुंबई/एजेन्सी

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा की प्रस्तुति, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल द्वारा अभिनीत फिल्म 'दि ताज स्टोरी' का बहुप्रतीक्षित, दमदार और प्रभावशाली ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो चुका है।

इस ट्रेलर में गहन और विचारोत्तेजक कोर्टरूम ड्रामा के साथ कहानी की भावनाओं, नैतिक संघर्षों और सच्चाई की खोज को पूरी ईमानदारी, दृढ़ता और निर्भीकता के साथ दर्शाया गया है। विशेष रूप से फिल्म में मुख्य भूमिका में नज़र आ रहे परेश रावल, विष्णु दास नामक एक ऐसे गाइड की भूमिका में नज़र आ रहे हैं, जो ताजमहल के पीछे की सच्चाई जानने की जिज्ञासा रखते हैं, और उनकी ये जिज्ञासा उन्हें एक ऐसे रास्ते पर ले जाती है, जहाँ सदियों पुराने विश्वासों को चुनौती मिलती है और दबे हुए सच सामने आते हैं। ट्रेलर में परेश रावल और जाकिर हुसैन के बीच होने वाली तीखी बहसें दिखाई गई हैं, जहाँ एक व्यक्ति का साहस पूरी क़ौम के अंतःकरण को झकझोर देने की ताकत रखता है। कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, इसमें कई अहम किरदार सामने आते हैं, जो 'सच्चाई बनाम धारणा' की इस बहस का हिस्सा बनते हैं। ज़ोरदार विजुअल्स और असरदार संवादों से भरपूर 'दि ताज स्टोरी' इतिहास के गढ़े गए संस्करणों पर सवाल उठाने से नहीं हिचकिचाती। यह फिल्म हमें याद दिलाती है कि असली इतिहास वही है जो तथ्यों पर आधारित हो, न कि किसी मत या राजनैतिक विचारधाराओं पर टिका हो।

आस्था से ज़्यादा सच्चाई को प्राथमिकता देती यह फिल्म हमें बताती है कि हमारे अतीत का सम्मान तभी संभव है जब हम अपने देश में निहित धर्मनिरपेक्षता का सम्मान करेंगे। ट्रेलर के बारे में परेश रावल का कहना है, ''विष्णु दास एक ऐसा किरदार है, जो साहस और विश्वास से भरा है। ताजमहल की सच्चाई की खोज में उसकी यात्रा न केवल पुराने विश्वासों को चुनौती देती है, बल्कि दर्शकों को इतिहास के प्रति एक नया दृष्टिकोण अपनाने के लिए आमंत्रित करती है।

मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूँ, जो कठिन सवाल पूछने से डरती नहीं और हमारे अतीत पर ईमानदारी से सोचने के लिए प्रेरित करती है।

इसके अलावा निर्देशक तुषार अमरीश गोयल कहते हैं, दि ताज स्टोरी के ज़रिए हमारा उद्देश्य सिर्फ़ एक फिल्म बनाना नहीं था, बल्कि एक संवाद शुरू करना था। ट्रेलर उस नैतिक और ऐतिहासिक प्रश्नों की एक झलक है, जिन पर हमने काम किया है, और मुझे खुशी है कि दर्शक इस यात्रा को इतनी शानदार कास्ट के साथ अनुभव करेंगे।

परेश रावल के साथ ज़ाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ और नामित दास जैसे बेहतरीन कलाकारों से सजी 'दि ताज स्टोरी' एक ऐसी सशक्त सामाजिक ड्रामा फिल्म है, जो हमारे समय के सबसे उत्तेजक प्रश्नों में से एक को उठाती है और वो है, आज़ादी के 79 साल बाद भी, क्या हम बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? संगीतकार रोहित शर्मा और राहुल देव नाथ के संगीत से सजी फिल्म 'दि ताज स्टोरी' 31 अक्टूबर 2025 को देश के सभी सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी और दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगी।

प्रीमियर

ग्लेन क्लोज़ (बाएँ से), सारा पॉलसन, तेयाना टेलर, किम कार्दशियन, नीसी नैश, नाओमी वॉट्ट्स और क्रिस जेनर लॉस एंजिल्स के डीजीए थिएटर कॉम्प्लेक्स में ऑल्स फेयर के प्रीमियर पर पहुँचे।

अभातेयुप के नए अध्यक्ष पवन मांडोत का यशवंतपुर में हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरांपथ युवक परिषद यशवंतपुर को तेयुप के 56वें राष्ट्रीय अधिवेशन में आचार्यश्री महाश्रमणजी की निश्रा में संगठन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। तेरापंथ भवन में विराजित साध्वीश्री सोमयशाजी के दर्शनार्थ आए अभातेयुप के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत व संगठन मंत्री रोहित कोठारी का सम्मान किया गया।ङ्गस्थानीय तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, मंत्री अनिल दक, कांठा प्रांत के अध्यक्ष एवं यशवंतपुर सभा के पूर्व अध्यक्ष गौतम मुथा, गांधीनगर सभा ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, महिला मंडल की अध्यक्षा रेखा पितलिया,सीपीएस के राष्ट्रीय प्रशिक्षक अरविंद मांडोत एवं अन्य सदस्यों ने पवन मांडोत व रोहित कोठारी का सम्मान किया। ङ्गरोहित कोठारी ने किशोर मंडल से लेकर अभातेयुप तक की अपनी यात्रा का उल्लेख किया एवं मिशन-60 यानी पूरे भारत में युवकों एवं किशोरों की संख्या 60,000 तक पहुँचाने का संकल्प साझा करते हुए आगामी 51 दिवसीय अखंड जाप कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। पवन मांडोत ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस 'युवा लोक' को बेंगलूरु में स्थापित करने की भावना व्यक्त की। उन्होंने सभी स्थानीय परिषदों के सहयोग से नव इतिहास सर्जित करने की अपील की। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि उम्मीदों को उल्लास देने वाली युवा पीढ़ी को प्रेरणा प्रोत्साहन मिल जाए तो उनकी प्रतिभा आसमान की ऊंचाइयों को छू लेती है। पवन मांडोत ने स्वयं के पराक्रम पुरुषार्थ, लगन, जोश व जुनून के साथ आचार्यश्री की कृपा से यह विशेष उपलब्धि प्राप्त की है। साध्वीश्री ने दोनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। साध्वी डॉ. सरलयशाजी मंगलकामना व्यक्त की। इस अवसर विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

धर्म, कर्तव्य और मानवता के प्रकाशपुंज है त्योहार : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन भवन में चातुर्मास प्रवचन में डॉ वरुण मुनिजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली, धनतेरस, रूप चतुर्दशी, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जीवन में धर्म, ज्ञान और करुणा का संदेश देते हैं। भारत विविध त्योहारों की पावन भूमि है। ये पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, धर्म और मानवता के जीवंत प्रतीक हैं। ये हमें जीवन के कर्तव्यों, नैतिक मूल्यों और आत्मिक विकास की प्रेरणा देते हैं। प्रत्येक पर्व में गहन आध्यात्मिक अर्थ और जीवनोपयोगी शिक्षाएँ निहित हैं। मुनि श्री ने कहा कि सच्चा धन है उत्तम स्वास्थ्य, स्नेहमय परिवार, सुसंस्कृत समाज और धर्ममय जीवन। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि स्वास्थ्य अच्छा है तो जीवन के सभी सुख सार्थक लगते हैं, परंतु स्वास्थ्य के अभाव में अपार संपत्ति भी निरर्थक प्रतीत होती है। मुनिश्री ने कहा कि सच्चे धन का सर्वोच्च स्वरूप सामाजिक सेवा है। केवल भोग और उपभोग जीवन नहीं, बल्कि दूसरों के दुःख को दूर करना ही मनुष्यत्व की सार्थकता है। मुनिश्री ने कहा कि दीपावली से जुड़े ये पाँचों पर्व हमें सिखाते हैं कि सच्चा धन सोना-चाँदी नहीं, बल्कि उत्तम स्वास्थ्य, सुदृढ़ परिवार, सेवा, सदाचार और धर्मपरायण जीवन है। उप प्रवर्तक पंकजमुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान करते हुय धर्ममार्ग पर अडिग रहने तथा जीवन में करुणा, संयम और सादगी को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान रूपेशमुनिजी ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

एचएमटी ग्राउंड पर सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद करेगी छठ पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, महिला मंडल एवं नवयुवक मंच के सदस्यों ने छठ महापर्व के संबंध में एक बैठक का आयोजन किया।

इस वर्ष भी आरटी नगर स्थित एचएमटी ग्राउंड पर छठ पूजा महोत्सव मनाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय ने की। परिषद के सचिव पंडित राजगुरु ने महोत्सव की विस्तार से जानकारी दी।

परिषद की वरिष्ठ सदस्या हीरा झा को सर्वसम्मति से छठ पर्व का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। झा ने बताया कि महिला मंडल द्वारा प्रसाद का निर्माण व वितरण किया जाएगा। अजीतकुमार एवं राहुलकुमार अपनी टीम के साथ व्यवस्था संभालेंगे। यह छठ पर्व चार दिनों का महापर्व है जो 25 अक्टूबर को नहाए खाए, 26 को खरना, 27 को सायंकालीन अर्घ्य एवं 28 को प्रातः कालीन अर्घ्य के साथ व्रत की समाप्ति होगी। संयोजक हरिश्चंद्र झा ने सहयोगियों के प्रति आभार जताया।

इको फ्रेंडली दिवाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अणुव्रत समिति विजयनगर द्वारा शुक्रवार को लक्ष्मी नारायण विद्यालय में इको फ्रेंडली दिवाली-2025 के विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संगठन मंत्री राजेश चावत ने कहा कि हमें बिना किसी नुकसान के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दिवाली मनानी चाहिए। अध्यक्ष महेंद्र टेबा, संस्था के कर्नाटक पर्यावरण प्रभारी संपत चावत आदि ने प्रदूषण रहित दिवाली मनाने का निवेदन किया ।चंद्रशेखर ने कन्नड़ भाषा में अणुव्रत गीत गाया। सुमित्रा बरड़िया ने प्रेक्षा ध्यान का प्रयोग करवाया। मंत्री अरिहंत कावड़िया ने धन्यवाद दिया।

'जेवाईए' ने शुरू की निःशुल्क डायलेसिस योजना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के केन्टोमेन्ट क्षेत्र के 'जैन यूथ एसोसिएशन (जेवाईए)' ने संतोष अस्पताल और नेफ्रोप्लस के सहयोग से जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क डायलेसिस योजना का उदघाटन किया। उद्घाटन का आयोजन संतोष अस्पताल के सभागार में हुआ। डॉ सीआर छल्लानी, डॉ. नरपत सोलंकी, डॉ. भीकमचंद सकलेचा, केएमवाईएफ के कुशलराज पिरगल, डॉ. शीतल, डॉ. संतोष सकलेचा, जेवाईए के अध्यक्ष रमेश बोहरा, चेयरमैन सुरेश बोहरा, डायलेसिस परियोजना के चेयरमैन सुरेश संघवी, मंत्री अशोक बांठिया और कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा ने परियोजना का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अभय बांठिया, हस्तीमल बाफना, मनोहरलाल बांठिया, जेवाईए युवा व महिला शाखा के सदस्य उपस्थित थे। इस परियोजना में वर्तमान में 10 डायलेसिस मशीनें हैं जो प्रतिदिन तीन शिफ्टों में चालू रहेंगी, जिससे 30 रोगियों का डायलेसिस किया जाएगा।

धर्म स्थान के महत्व और मर्यादा का रखना चाहिए ख्याल : साध्वी इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि धर्म स्थान का अपना महत्व और मर्यादा होती है। धर्म स्थान पवित्र स्थान होता है और इसकी पावनता बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। धर्म स्थान पर हम संयमित वस्त्र पहन कर आएं। अश्लील, भड़कीले वस्त्र पहनकर अंग प्रदर्शन करते हुए धर्म स्थान के परमाणुओं को अपवित्र कर देते हैं। माता पिता का कर्तव्य है कि वे शुरू से ही अपने बच्चों को वस्त्रों का अनुशासन समझाएं। अनाथी मुनि चरित्र का विवेचन करते हुए इंदुप्रभा जी ने कहा कि इस जगत का कोई भी रिश्ता शरण देने में सक्षम नहीं है। कोई भी इस जीव को मृत्यु से नहीं बचा सकता है। मात्र धर्म ही इस आत्मा की रक्षा कर सकता है। संसार सुख वैभव आकर्षण के नहीं बल्कि वैराग्य के निमित्त बनने चाहिएं।

इस शरीर का अंत मुट्ठी भर राख में होना है। साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने मूल सूत्र का वाचन किया।ङ्गदीपावली प्रसंग पर स्थानीय जेपीपी महिला फाउंडेशन ने पहनने योग्य वस्त्रों का संकलन कर, व्यवस्थित कर आवश्यक जनों में वितरित किए। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

आरआर नगर में हुआ 'ओम भिक्षु महाजप अनुष्ठान'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विश्व शांति हेतु 'ओम भिक्षु महाजप अनुष्ठान' साध्वीश्री पुण्ययशा जी की निश्रा में आयोजित किया गया। एक घंटे तक निर्बाध रूप से चले इस सामूहिक जप अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। साध्वीश्री ने कहा कि सामूहिक रूप से किया गया जप सकारात्मक ऊर्जा का सृजन करता है, जिससे जीवन में नई चेतना और उन्नति का संचार होता है। कन्या मंडल एवं ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा भी जप अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा।

संयोजिका लता बाफना ने संयोजन किया। मंत्री वंदना भंसाली, अध्यक्ष मंजू बोथरा सहित उनकी टीम उपस्थित थीं।

आत्मबोध और मोक्षमार्ग की दिशा देती है प्रभु महावीर की अमृतवाणी : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सन गार्डन में विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि प्रभु महावीर की वाणी में आत्मशुद्धि, संयम और समता का सजीव दर्शन है। जब मनुष्य अपने भीतर झांकना प्रारंभ करता है, तभी आत्मबोध का उदय होता है। उन्होंने कहा कि संसार में अज्ञान का अंधकार तभी मिटता है, जब आत्मा प्रभु की वाणी के प्रकाश से आलोकित होती है। भगवान महावीर ने अपने अंतिम उपदेश काल में जो अमृत-वाणी प्रदान की, वह समस्त जीवों के कल्याण का महामंत्र है। मोक्ष से पूर्व के अपने अंतिम 16 प्रहरों में उन्होंने ऐसा दिव्य संदेश दिया, जो आज भी मानवता के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत है। क्रोध, मान, माया और लोभ ये आत्मा के सबसे बड़े शत्रु हैं। जब ये विकार समाप्त होते हैं, तब आत्मा अपनी दिव्यता को पहचानती है।

सच्ची विजय बाहरी युद्धों में नहीं, बल्कि आत्म-जीत में निहित है। जो स्वयं को जीत लेता है, वही सच्चे अर्थों में जगत विजेता कहलाता है।ङ्गसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि जब हम उत्तराध्ययन सूत्र में प्रभु ने इंद्रियों के नियंत्रण को आत्मविकास की कुंजी बताई है। जो क्षमा को हृदय में धारण करता है, वह वैरभाव से मुक्त होता है। किसी भी जीव को पीड़ा न पहुँचाना ही सच्चा धर्म है। सुख-दुःख, लाभ-हानि में समभाव रखना आत्मबल को बढ़ाता है। जीतो एवं भगवान महावीर जैन हॉस्पिटल द्वारा साध्वियों की स्वास्थ्य जांच करवाई गई। इस मौके पर जीतो के दिनेश खिंवेसरा, दिनेश लोढ़ा, रूपचंद कुमट, कांतिलाल गुगलिया एवं डॉक्टर उपस्थित थे। चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने स्वागत किया। अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने आभार व्यक्त किया। संयोजक माणकचंद बोहरा ने कार्यक्रम की जानकारी दी। संचालन मंत्री सज्जनराज बोहरा ने किया।

आत्मा को जीतना ही श्रेष्ठ है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने उत्तराधयन सूत्र पर विवेचना प्रस्तुत करते हुए कहा कि संग्राम में लड़ते हुए लाखों शत्रुओं को जीतने की अपेक्षा अपनी एक आत्मा को जीतना कठिन है। उन्होंने 23 केशी-गौतमीय अध्ययन पर चर्चा करते हुए कहा कि केशी श्रमण जहां 23 तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ की परम्परा के साधु थे। वहीं गणधर इन्द्रभूति गौतम स्वामी चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के प्रमुख शिष्य थे। श्रावस्ती नगरी के तिन्दुक वन उद्यान में दोनों महान परंपराओं के महान ज्ञानी ध्यानी संत केशी-गौतम का वहां पर अदभुत आत्मीय मिलन और स्वागत समागम आध्यात्मिक सत्संग चर्चा होती है, जिसमें चातुर्माम और पंच महाव्रत रुप धर्म की व्याख्या और केशी श्रमण द्वारा पूछे गए अनेक आत्म कल्याण हितकारी प्रश्नों का उचित समाधान गणधर गौतम स्वामी प्रस्तुत करते हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ रुपी अग्नि को श्रुत, शील एवं तप के जल से शान्त,शमन किया जा सकता है। जो किसी को निन्दा विकथा,दोष दृष्टि, अवगुणों को देखने वाले उन्मुक्त बेलगाम घोड़े की तरह नीचे अधोमुखी होकर गिर कर अपनी आत्मा का पतन कर लेते हैं और जो सम्यग दृष्टि, समान दृष्टिकोण को अपनाते हुए अपने आत्मा का चिंतन करते हैं वो साधक आत्माएं सन्मार्ग पर चलते हुए सद्गति, सिद्धि को प्राप्त करते हैं। ङ्गङ्गप्रारंभ में श्री शालिभद्रमुनिजी उत्तराधयन सूत्र का वाचन, सामूहिक स्वाध्याय पारायण धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को अपनी सरस सुबोध शैली में वाचन स्वाध्याय करवाया। उन्होंने 1 नवंबर को आयोजित होने वाली विराट पुष्कर दर्शन ट्राफी प्रश्न मंच प्रतियोगिता की जानकारी दी। शुक्रवार के श्रुत साधना में समोवशरण के धर्म सारथी बनने वाले अशोकनगर शूले, महेंद्र मेहता, दुन्दाड़ा बहु परिवार, वासूपुज्य स्वामी जैन मंडल, मेहता अपार्टमेंट के साथ विहार सेवा ग्रुप ने किया। समिति की ओर से धन्यवाद दिया गया।

शक्तियों को जानने के बाद ही मानव का होगा कल्याण : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि प्रभु ने मानव पर अनंत उपकार किए हैं। आज उनकी वाणी के सहारे ही सभी धर्म के पास हैं और पाप से

बचने की कोशिश कर रहे हैं। प्रभु ने लाखों लाखों प्राणियों की डूबती हुई नैया को पार लगाया है। उन्होंने लाखों प्राणियों के जीवन की रक्षा की शिक्षा दी, जिससे लाखों पशुओं की वध की प्रक्रिया बंद हुई। भगवान ने अपनी वाणी में मानव की शक्ति बताई है। जब तक मानव अपनी शक्तियों को नहीं जानेगा उसका कल्याण नहीं होगा। ज्ञान आने के बाद ही मानव को उसके शक्तियों के बारे में पता चलता है। उत्तराध्ययन सूत्र के 22वें अध्ययन का नाम रथनेमी है। रथनेमी ने दीक्षा लेकर संयम का मार्ग ग्रहण किया। संतश्री ने कहा कि कुछ समय ऐसा आता है जब लोग परेशानी के बाद भी खरा कहने से संकोच करते हैं लेकिन याद रखो, कभी कभी खरा कहना सीखो भले ही सामने वाले को बुरा लग जाए। एक बार बुरा लगेगा, लेकिन बाद में सब सही हो जाएगा। अगर वक्त पर खरा नहीं बोला तो बार बार परेशान होना पड़ेगा। सच्चाई लोगों को अक्सर बुरी लगती है। लेकिन सच्चाई को कटु शब्दों में बोलना जरूरी होता है। जब मानव का मन नियंत्रण में होता है तो संयम का मार्ग आसान हो जाता है। 23वें अध्ययन में भगवान ने संयम को सुरक्षित रख कर भव काटने की बात कही है। जब मानव संयम में रहेगा तो पाप के मार्ग पर जाने से बचेगा। पाप के मार्ग से बचना ही मोक्ष का मार्ग है।

24वें अध्ययन में सच्चे यज्ञ के बारे में उल्लेख है। जब तक सच्चा यज्ञ नहीं होगा, सच्ची तपस्या नहीं होगी तब तक जीवन का कल्याण संभव नहीं है। जो मानव बताए मार्गों पर चलेंगे उनका कल्याण निश्चित है। सभा में उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने स्वागत किया। कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

सरकारी स्थलों के उपयोग संबंधी मंत्रिमंडल का फैसला 'केवल आरएसएस के लिए नहीं': सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा सार्वजनिक स्थानों और सरकारी परिसरों में कार्यक्रमों के आयोजन के लिए नियम बनाने का फैसला सिर्फ आरएसएस के लिए नहीं है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उनके नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों, जिनमें सड़कों पर मार्च करना और सार्वजनिक स्थानों व सरकारी परिसरों में कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है, पर लगाम लगाने के लिए नियम बनाने के फैसले के एक दिन बाद आई है। कैबिनेट के इस फैसले, जिसे व्यापक रूप से आरएसएस के कार्यक्रमों के खिलाफ बताया जा रहा है, पर स्पष्टीकरण देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, ''यह सिर्फ आरएसएस के लिए नहीं है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्सव : स्थानीय वाईएस ग्रुप ऑफ इवेंट द्वारा बेंगलूरु पैलेस मैदान क्राउन पवेलियन में सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें गुजरात की प्रख्यात कलाकार गीता रबारी ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने सभी को प्रकाश पर्व दीपावली की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्व एवं त्यौहार हमें अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। आयोजकों ने अतिथि एवं कलाकारों का सम्मान किया ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**